हिन्दी दैनिक

आवाज प्लस

RNI. NO.: UPHIN/2008/25919

समाज में प्रभावी आगाज़

93356 93356 /dainikawazplus www.awazplus.com

वर्ष : 01, अंक : 146, पृष्ठ संख्या : 8, लखनऊ। गुरुवार 14 दिसम्बर 2023 ऑफर मूल्य ₹ 3/-

UPDATE >>

रिपोर्ट- पेज 3

संसद की सुरक्षा को भेदने वाले सागर शर्मा के फेसबुक पर भगत सिंह की तस्वीर

घोटाला पेज 7

पेपर लीक मामले में भंग आयोग का पूर्व सचिव फिर गिरफ्तार

खेल- 8

रिंकू सिंह ने आईसीसी रैंकिंग में लगाई लंबी छलांग

नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सरगना गिरफ्तार

मुंबई। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने मुख्य आरोपी, पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के निवासी पतित पाबन पुनिन हलदर (36) और उसके सहयोगी मोहम्मद इलियास शेख मंसूरी (49) को गिरफ्तार कर लिया है, जो उस राज्य के कमरहाटी के मूल निवासी हैं। मुंबई संचलित ठग गिरोह के मुख्य आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जो सैकड़ों बेरोजगार युवाओं को विदेश में नौकरी का झांसा देकर ठगी करता था। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल से हिरासत में युवक के सहयोगी को भी गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी के आवास पर तलाशी के दौरान नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के 482 पासपोर्ट बरामद किए, जिससे अब तक जब्त किए गए ऐसे यात्रा दस्तावेजों की संख्या 544 हो गई है।

संसद के पूर्व सुरक्षा प्रमुख ने संसद की सुरक्षा में चूक पर सवाल उठाए

नई दिल्ली। लोकसभा की गंभीर सुरक्षा चूक पर संसद के पूर्व सुरक्षा प्रमुख वी पुरुषोत्तम राव ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 2001 के संसद हमले की घटना के बाद नियुक्त लोकसभा के तत्कालीन उपाध्यक्ष की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों को लागू किया गया होता तो इस तरह की घटना न होती। उन्होंने कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन नहीं किया गया है। मुझे किसी की आलोचना नहीं करनी चाहिए, लेकिन यह एक गंभीर चूक है। राव ने कहा कि उन्होंने 2001 में संसद पर हमला करने वाले पांच हमलावरों में से एक को गोली मार दी थी। दावा किया कि समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार संसद की आगंतुक गैलरी में बुलेट-प्रूफ ग्लास स्थापित करना था, जो नहीं किया गया।

संसद की सुरक्षा में सेंध

22वीं बरसी पर लोकतन्त्र के मन्दिर की सुरक्षा व्यवस्था धराशायी

सवाल

साजिश रचने वाले आरोपी कौन और सभी कैसे संपर्क में थे?

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। संसद में घुसपैठ करने साजिश रचने वालों में छह लोगों का नाम सामने आया है ये देश के अलग-अलग शहरों से ताल्लुक रखते है। बताया जा रहा है कि ये सभी पिछले चार वर्षों से सोशल मीडिया के जरिए एक दूसरे से संपर्क में थे। उन्होंने घटना को अंजाम देने से पहले रेकी भी की थी। 13 दिसंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले की बरसी के दिन संसद में बुधवार को घुसपैठ की साजिश छह आरोपियों ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर साजिश रची। इस घटना की साजिश रचने वालों में छह लोगों का नाम सामने आया है जो देश के अलग-अलग शहरों से ताल्लुक रखते है। बताया जा रहा है कि ये सभी पिछले चार वर्षों से सोशल मीडिया के जरिए एक दूसरे से संपर्क में थे। आरोपियों में पांच लोगों पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं जबकि एक आरोपी फिलहाल फरार है।

सोशल मीडिया जरिए चार साल से जुड़े थे आरोपित

नई दिल्ली। शिंदे से पूछताछ में पता चला कि छह आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से पिछले चार साल से एक-दूसरे को जानते थे। एक अधिकारी ने कहा कि विशाल शर्मा पहले एक निर्यात कंपनी में ड्राइवर के रूप में काम करता था, लेकिन बाद में उसने ऑटोरिक्शा भी चलाया। जानकारी के अनुसार सागर शर्मा अक्सर विशाल शर्मा के घर आता-जाता था और वे लंबे समय से संपर्क में थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विशाल शर्मा की आपराधिक पृष्ठभूमि है। अधिकारी ने कहा कि विशाल और नीलम हिसार जिले के रहने वाले हैं। वहीं छठे और अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर आरोपी ललित के बारे में अब तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है।

आरोपियों ने योजना को अंजाम देने से पहले की रेकी?

बताया जा रहा है कि सभी गुरुग्राम के सेक्टर 7 में विशाल शर्मा और उनकी पत्नी राखी के किराए के मकान में रुके थे। अब तक की जानकारी के अनुसार कर्नाटक के मैसूर के रहने वाले मनोरंजन डी ने 2016 में बीई (बैचलर इन इंजीनियरिंग) पूरा किया था और खेती करता था। उसके परिवार ने बताया कि उसने दिल्ली और बेंगलुरु में कुछ कंपनियों में भी काम किया। कहा जा रहा है कि उसने भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के कार्यालय से लोकसभा में प्रवेश के लिए अधिकृत पास प्राप्त किया और उत्तर प्रदेश के रहने वाले सागर शर्मा को अपना दोस्त बताया। परिवार वालों के अनुसार सागर शर्मा (28) कुछ दिन पहले लखनऊ के रामनगर स्थित अपने घर से दिल्ली में एक %विरोध प्रदर्शन% में शामिल होने के लिए निकला था। हालांकि, उनके परिवार ने कहा कि उन्हें संसद की सुरक्षा में चूक में उनकी संलिप्तता के बारे में जानकारी नहीं थी।

संसद के अंदर और बाहर क्या-क्या हुआ?

आवाज प्लस डेस्क, नई दिल्ली। आरोपितों से दो मनोरंजन डी और सागर शर्मा सदन की दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए और उन्होंने कलर स्मॉग का इस्तेमाल किया जिससे सांसदों में के बीच अफतरातफरी मच गई। सांसदों ने आरोपियों को पकड़ा और उनकी पिटाई की। इसके बाद उन्हें सदन में मौजूद मार्शल के हवाले किया गया। वहीं दूसरी ओर उनके साथी नीलम और अमोल शिंदे ने संसद भवन के बाहर कलर स्मॉग का इस्तेमाल किया और नारेबाजी की। इसके बाद बाहर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार ललित और विशाल शर्मा पर आरोपियों का सहयोग करने का संदेह है। विशाल को हरियाणा के गुरुग्राम से हिरासत में लिया गया जबकि ललित फिलहाल फरार है।

सीआरपीएफ के महानिदेशक के नेतृत्व में जांच के आदेश

आवाज प्लस डेस्क, नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय के अनुरोध पर गृह मंत्रालय ने संसद की सुरक्षा में हुई चूक की घटना की जांच सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह के नेतृत्व में कराने का आदेश दिया है। गृह मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक, जांच समिति में अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सदस्य और विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। समिति सुरक्षा में सेंध के कारणों की जांच करेगी। इसके अलावा समिति खामियों का पता लगाएगी और आगे की कार्रवाई की सिफारिश करेगी। समिति जल्द से जल्द संसद में सुरक्षा में सुधार के सुझावों सहित सिफारिशों के साथ अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

संसद की सुरक्षा में सेंध एक सुनियोजित घटना थी: पुलिस

आवाज प्लस डेस्क, नई दिल्ली। पुलिस ने बताया कि 25 वर्षीय शिंदे महाराष्ट्र के लातूर जिले में स्थित अपने गांव से यह कहकर निकला था कि वह सेना भर्ती अभियान में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली जा रहा है। शिंदे ने हरियाणा की नीलम के साथ संसद के बाहर **तानाशाही नहीं चलेगी, भारत माता की जय** और **जय भीम, जय भारत** के नारे लगाए। पुलिस सूत्रों ने कहा कि संसद की सुरक्षा में सेंध एक सुनियोजित घटना थी, जिसे छह लोगों ने अंजाम दिया, ये सभी इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक-दूसरे के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने कुछ दिन पहले योजना बनाई और बुधवार को संसद आने से पहले उन्होंने रेकी की। उन्होंने कहा, उनमें से पांच संसद में आने से पहले गुरुग्राम में विशाल के आवास पर रुके थे। योजना के अनुसार, सभी छह लोग संसद के अंदर जाना चाहते थे, लेकिन केवल दो को पास मिले।

45 मिनट का पास, दो घंटे मौजूदगी, फिर भी नजर से बच गए

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। जब देश के नए संसद भवन का उद्घाटन हुआ था, तब सरकार ने दावा किया था कि संसद की नई इमारत पुरानी की तुलना में अधिक सुरक्षित है। ऐसे में बुधवार को लोकसभा में हुए घटनाक्रम ने सरकार के इस दावे पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही सुरक्षा प्रोटोकॉल में कमियों को भी उजागर कर दिया है। हम आपको सात बिंदुओं में बताएंगे कि संसद हमले की बरसी वाले दिन जब सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता रखा जाना चाहिए था तब इसमें कोताही कैसे हुई।

सदन के बाहर पहले से हो रहे प्रदर्शन से सबक नहीं

सदन के भीतर हुई इस घटना से पहले ट्रांसपोर्ट भवन के बाहर दो लोग प्रदर्शन करते दिखे। इनमें से एक महिला भी थी। इनके हाथ में कलर स्मॉग था। दोनों ने बाहर इसका छिड़काव किया। दोनों को सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। अब यह बात भी सामने आ रही है कि चारों एक-दूसरे को जानते थे। लेकिन जब पहले से ही बाहर प्रदर्शन हो रहा था तो भी किसी ने इससे सबक नहीं लिया और सुरक्षा में लापरवाही की गई।

जूते में कैसे छिपाकर लाए कलर स्मॉग

यह घटना बुधवार दोपहर एक बजकर एक मिनट पर हुई। लोकसभा में पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल शून्य काल की कार्यवाही को संचालित कर रहे थे। तभी दो शख्स दर्शक दीर्घा से नीचे कूद गए। नीले रंग की जैकेट पहने एक युवक सांसदों की सीट पर कूद गया। जब वह लगभग तीन कतार लांघकर आसन की तरफ पहुंचा। तभी उस युवक ने जूते के अंदर से कुछ पदार्थ निकाला। इसके बाद वहां पीले रंग का धुआं उठने लगा। इस घटनाक्रम से यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि कैसे दो आरोपी पूरी सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए जूते में छिपाकर कलर स्मॉग छिपाकर लोकसभा में घुस गए।

13 दिसंबर, 2001 को लोकतंत्र के मंदिर को आतंकियों ने निशाना बनाया था। इसकी 22वीं बरसी पर संसद की सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला सामने आया। बुधवार को लोकसभा में दो लोग घुस गए और वहां हंगामा मचा दिया। वो कौन सी वजहें रहीं जिसके चलते आरोपी इस दुस्साहस को अंजाम दे पाए।

दर्शक दीर्घा की ऊंचाई कम

बुधवार को दर्शक दीर्घा से जिस तरीके से युवक चल रहे सदन के दौरान दर्शक दीर्घा से नीचे कूद कर सनसनी फैला दी। इसके बाद से संसद की नई बिल्डिंग से लेकर दर्शक दीर्घा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कई सांसदों ने इस घटना के बाद कहा कि नई संसद में दर्शक दीर्घा की ऊंचाई पुरानी इमारत की तुलना में कम रखी गई है। पुरानी इमारत में दर्शक दीर्घा और सांसदों के बैठने की बीच की ऊंचाई इतनी ज्यादा थी कि किसी के लिए कूदना बहुत मुश्किल था। लेकिन नए भवन में ऐसा नहीं है। इस वजह से यह बेहद रिस्की है।

45 मिनट के पास पर दो घंटे अंदर रहे आरोपी

सामने आया है कि लोकसभा में इस दुस्साहस को अंजाम देने वाले आरोपियों, मनोरंजन डी और सागर शर्मा को जो पास दिए गए थे वे सिर्फ 45 मिनट के लिए वैध थे, लेकिन नियमों का मखौल उड़ाते हुए वे करीब दो घंटे तक दर्शक दीर्घा में रहे। वहीं, बड़ी बात ये है कि संसद में तैनात रहने वाले सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें इतनी देर तक बाहर नहीं निकाला।

2001 में हमले की घटना के बाद आई सिफारिशों को नहीं किया गया लागू

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। इस बीच, संसद के पूर्व सुरक्षा प्रमुख वी. पुरूषोत्तम राव ने भी इस घटनाक्रम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 2001 के संसद हमले की घटना के बाद नियुक्त लोकसभा के तत्कालीन उपाध्यक्ष की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों को लागू नहीं किया गया। अगर सिफारिशों को लागू किया गया होता तो तरह की घटना से बचा जा सकता था। राव ने कहा कि समिति की सिफारिशों में से एक संसद की आगंतुक गैलरी में बुलेट-प्रूफ ग्लास स्थापित करना था। उन्होंने कहा कि मुझे किसी की आलोचना नहीं करनी चाहिए, लेकिन सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन नहीं किया गया है। गौरतलब है कि राव सीआरपीएफ में डीआइजी रैंक के अधिकारी थे और 1999 से 2004 तक संसद में सुरक्षा के प्रभारी थे।

स्वीकृत संख्या से कम हैं तैनात कर्मी

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। सूत्रों ने बताया कि 10 साल से अधिक समय से कोई नई भर्ती नहीं हुई है। संसद में सुरक्षा के लिए तैनात विशेष निदेशक (सुरक्षा) से लेकर सुरक्षा सहायक ग्रेड-ढ्ढढ्ढ तक के पद बड़ी संख्या में खाली हैं। उन्होंने बताया कि संसद में सुरक्षा अधिकारियों की स्वीकृत संख्या लगभग 301 है। जबकि इस समय केवल 176 पदों पर कर्मी तैनात हैं। इनमें से 125 पद खाली हैं। इतना ही नहीं, जो पद खाली हैं उनमें बड़ी संख्या में निचले स्तर के पद खाली हैं, जो कि सुरक्षा के लिए प्राथमिक रूप से जिम्मेदार होते हैं। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा सहायक ग्रेड-II के लिए संसद में 72 पद स्वीकृत हैं। जबकि वर्तमान में केवल नौ पद भरे हुए हैं। वहीं, सुरक्षा सहायक ग्रेड-I के लिए 69 पद स्वीकृत हैं, जबकि वर्तमान में केवल 24 भरे हुए है।

नए संसद में सादे कपड़ों वाली टीम नहीं

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। सूत्रों ने सुरक्षा चूक में कर्मियों की लापरवाही और कमी का जिक्र करते हुए बताया कि आम तौर पर संसद के सुरक्षा कर्मचारी आगंतुकों को उनके ठहरने की समय सीमा पूरी होते ही गैलरी से बाहर निकाल देते थे। लेकिन नई इमारत की गैलरियों में सुरक्षा कर्मियों की कमी देखी जा रही है। कुछ नेताओं ने भी यह सवाल खड़ा किया है। बुधवार को लोकसभा में हुई घटना के बाद सपा सांसद राम गोपाल यादव ने भी यही बात कही। उनका कहना था कि पहले सदन के बाहर, भीतर और गैलरी के अलावा संसद के चप्पे चप्पे पर सादे कपड़ों में जवान मौजूद रहते थे। उनकी नजर सभी पर रहती थी। अब वह टीम गायब हो गई है।

लोकसभा में बवाल के दौरान फरिश्ते की तरह आए बेनीवाल, नागर और अजौला, साथी सांसदों ने जमकर सराहा

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। बसपा के सासंद नागर ने बताया कि सदन की कार्यवाही के दौरान अचानक पीछे से एक धड़ाम की आवाज आई। किसी के गिरने की आवाज थी। हमने पीछे देखा तो एक युवक सदन में बेंच पर खड़ा था तो दूसरा लटका पड़ा था। एक लड़का अध्यक्ष की ओर भागा, जिसे बेनीवाल ने जकड़ लिया।

लोकसभा में बुधवार को सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला सामने आया। बीच कार्यवाही के दौरान ही दो युवक दर्शक दीर्घा से सीधा सदन में कूद गए। लोकसभा में हंगामे के दौरान हनुमान बेनीवाल, मलूक नागर और गुरजीत सिंह अजोला भी उपस्थित थे, जिन्होंने युवकों को काबू करने में अहम भूमिका निभाई। तीनों सासंदों की दिलेरी देख अन्य साथी सांसदों ने उनकी तारीफ की और उन्हें रक्षक के रूप में संबोधित किया। साथी सदस्यों ने फरिश्ते बनकर आए तीनों सांसदों की तारीफ करते हुए सेल्फी ली।

बेनीवाल ने पहले युवक को पकड़ा

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) सासंद हनुमान बेनीवाल ने बताया कि संसद में शून्यकाल चल रहा था। सदन में कई सांसद बैठे थे। इसी दौरान अचानक दो लोग ऊपर से कूद गए। युवकों को देख सदस्य चौंक गए। दोनों युवक बेंचों से कूदते-कूदते स्पीकर की कुर्सी की ओर जा रहे थे लेकिन उससे पहले ही सांसद चौकन्ना हो गए और युवकों को घेर लिया। सभी दलों के सांसदों ने एकता दिखाई और एक युवक को कब्जे में कर लिया। युवकों ने अपने जूतों में कुछ छिपा रखा था, जैसे ही हमने उन्हें पकड़ा वैसे ही उन्होंने गैस छोड़ दी। चारों ओर धूआं देख सदस्य घबरा गए। यह सुरक्षा में बड़ी चूक है। हम घटना की जांच की मांग करते हैं।

अजौला ने कनस्तर छीनकर फेंका

वहीं, कांग्रेस सांसद अजौला ने बताया कि दोनों युवक अध्यक्ष की कुर्सी की ओर बढ़ रहे थे, जिनमें से एक को तो बेनीवाल ने ही पकड़ लिया। दूसरे व्यक्ति को जैसे ही हम पकड़ा चाहे वैसे ही वह कुछ लहराने लगा। उसमें से गैस निकल रही थी। मैंने वह छीनकर बाहर फेंक दिया। दोनों सदस्य तानाशाही बंद करो जैसे नारे लगा रहे थे। उन्होंने एक बड़ा संदेश दिया है। सरकार को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

नागर ने दूसरे युवक को पकड़ा

बसपा के सासंद नागर ने बताया कि सदन की कार्यवाही के दौरान अचानक पीछे से एक धड़ाम की आवाज आई। किसी के गिरने की आवाज थी। हमने पीछे देखा तो एक युवक सदन में बेंच पर खड़ा था तो दूसरा लटका पड़ा था। एक लड़का अध्यक्ष की ओर भागा, जिसे बेनीवाल ने जकड़ लिया। साथ ही मैंने और अन्य सांसदों ने दूसरे युवक को घेर लिया।

अगले आदेश तक नहीं जारी होंगे दर्शक दीर्घा के पास

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। संसद में चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा सदन में बुधवार को एक घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को होश उड़ा दिया हैं। लोकसभा कार्यवाही के दौरान सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। दर्शक दीर्घा में बैठे दो लोगों ने सभी को उस वक्त चौंका दिया, जब वे अचानक वहां से कूदकर सासदा क बाच जा पहुच। इस दौरान आरोपियों ने जमकर हंगामा किया। दोपहर को सदन के भीतर मौजूद दो आरोपियों में से एक आरोपी सासंदों की सीट पर जा पहुंचा। इस घटना को देखकर वहां पर मौजूद सासंदों और सुरक्षा कर्मियों के हाथ पांव फूल गए। आरोपी ने वहां मौजूद सांसदों की सीट पर हंगामे के दौरान %कलर स्मॉग% छोड़ दिया। जिसके बाद सदन में अफरातफरी का मौहाल बन गया था। सभी सांसद अपनी-अपनी जगहों से हट गए। हालांकि एक आरोपी को वहां मौजूद सांसदों और सुरक्षा कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद पकड़ लिया और जमकर धुनाई की।

एसीएफ अभियान के तहत खोजे गए 179 टीबी रोगी

311 टीमों ने 8,92,323 लोगों की स्क्रीनिंग की

संवाददाता

सीतापुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत बीती 23 नवंबर से पांच दिसंबर तक सक्रिय क्षय रोगी खोज एसीएफ अभियान चलाया गया।इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर- घर जाकर संभावित क्षय रोग के लक्षण वाले मरीजों की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध किया। जिसके बाद चिन्हित इन संभावित रोगियों की टीबी की जांच की गई । इस अभियान के दौरान जिले भर में कुल 179 टीबी रोगियों की पुष्टि हुई है। इन सभी का निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण के बाद उपचार भी शुरू कर दिया गया है। यह अभियान अनाथालय, वृद्धाश्रम, नारी निकेतन, ईंट-भट्टे, निर्माणाधीन भवन, फल व सब्जी मंडी, क्रेशर, बाल संरक्षण गृह, लेबर मार्केट आदि स्थानों पर चलाया गया।सीएमओ डॉ. हरपाल सिंह ने बताया कि जिले की कुल आबादी की 20 फीसद आबादी को

आच्छादित करते हुए शहरी एवं ग्रामीण बस्ती तथा हाई रिस्क क्षेत्र में यह अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि जिले की कुल आबादी 54,58,355 है, इसकी लगभग 20 फीसद यानि 8,95,921 आबादी में यह अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत आशा, आंगनवाड़ी एवं कम्युनिटी वॉलेंटियर की 311 टीमों ने संभावित टीबी रोगियों को खोजने का काम किया । जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनोज देशमणि ने बताया कि कुल लक्षित आबादी 8,95,921 में से 8,92,323 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। जिसमें से टीबी से मिलते जुलते लक्षणों वाले 4,848 लोगों के बलगम के सैंपल लिए गए जिनमें से 105 लोगों को टीबी का धनात्मक पाया गया। इसके अलावा 74 लोगों को एक्स-रे एवं अन्य जांचों के माध्यम से टीबी का धनात्मक पाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान साल में दो बार चलाया जाता है। इससे पूर्व इसी साल फरवरी एवं मार्च में यह अभियान चला था। जिसमें 161 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई थी। इन सभी 161 टीबी रोगियों का इलाज पूरा भी हो चुका है।

ऐसे फैलता है टीबी

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम समन्वयक आशीष दीक्षित ने बताया कि टीबी (क्षय रोग) एक घातक संक्रामक रोग है जो कि माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु वजह से होता है।टीबी (क्षय रोग) आम तौर पर ज्यादातर फेफड़ों पर हमला करता है, लेकिन यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता हैं। यह रोग हवा के माध्यम से फैलता है। जब क्षय रोग से ग्रसित व्यक्ति खांसता, छींकता या बोलता है तो उसके साथ संक्रामक ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई उत्पन्न होता है जो कि हवा के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। ये ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई कई घंटों तक वातावरण में सक्रिय रहते हैं।जब एक स्वस्थ्य व्यक्ति हवा में घुले हुए इन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई के संपर्क में आता है तो वह इससे संक्रमित हो सकता है।

टीबी के लक्षण

- ❖लगातार तीन हफ्तों से खांसी का आना और आगे भी जारी रहना खांसी के साथ खून का आना।
- ❖छाती में दर्द और सांस का फूलना।
- ❖वजन का कम होना और ज्यादा थकान महसूस होना।
- ❖शाम को बुखार का आना और ठण्ड लगना।
- ❖रात में पसीना आना।

विकसित भारत संकल्प यात्रा विधानसभा श्रीनगर क्षेत्र में पहुंची

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। आज दिनांक 13.12.2023 को विकसित भारत संकल्प यात्रा विधानसभा श्रीनगर में वि0खं0 लखीमपुर के ग्राम आदमपुर देवरिया एवं ओदरहना में, विधानसभा पलिया में वि0खं0 पलियाकलां के ग्राम लगदहन एवं परसपुर में, विधानसभा पलिया में वि0खं0 बांकेगंज के ग्राम खरहेटा एवं डालपुर ग्रन्ट में, विधानसभा लखीमपुर में वि0 खं0 नकहा के ग्राम भीराघासी एवं गौरिया भीलम में, विधानसभा निघासन में वि0खं0 निघासन के ग्राम रमुआपुर एवं सहनखेड़ा में, विधानसभा गोला गोकर्णनाथ में वि0खं0 कुम्भी (गोला) के ग्राम कोटखेरवा एवं सेहरूआ में, विधानसभा श्रीनगर में वि0खं0 बेहजम के ग्राम उमरपुर में पहुंची।विधायक श्रीनगर मंजू त्यागी ने ग्राम बौठा में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा जो भी महत्वकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है उन्हें जन-जन तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य है। हम सब एकजुट होकर इन महत्वकांक्षी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाए तथा उन्हें इन योजनाओं का लाभ दिला सके। साथ-साथ ग्रामवासियों से कहा कि आप सभी विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सपने विकसित भारत को पूरा करने में हमारा सहयोग करें। उक्त कार्यक्रमों में मौजूद लाभार्थियों को पोषण किट, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत सांकेतिक आवास चाभी एवं फल वितरण किया गया।कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख पलिया वीरेन्द्र शुक्ला, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विश्वनाथ सिंह, सांसद प्रतिनिधि मुन्ना लाल अवस्थी, सांसद प्रतिनिधि दीपक तलवार, ठाकुर प्रसाद गंगवार, गोपाल गुप्ता, दयाशंकर मौर्या, नागेन्द्र सिंह सेंगर, विकास दत्त मिश्रा, प्रेम बाजपेई, जगदीश वर्मा, डा0 एन0के0 शर्मा, अनुज शुक्ला 'बिट्टू', प्रभात मिश्रा 'रूद्र', उमेश तिवारी, धर्मेन्द्र सिंह, रामकृष्ण गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष कुलदीप वर्मा, बजरंगी मिश्रा, सुमित पाण्डे, श्याम सुन्दर लाल सहित भारी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। दिनांक 14.12.2023 को विकसित भारत संकल्प यात्रा विधानसभा श्रीनगर में वि0खं0 लखीमपुर के ग्राम अमानलाला एवं मउदाउदपुर में, विधानसभा पलिया में वि0खं0 पलियाकलां के ग्राम महंगापुर एवं बमनगर में, विधानसभा पलिया में वि0खं0 बांकेगंज के ग्राम खरहेटा एवं डालपुर ग्रन्ट में, विधानसभा लखीमपुर में वि0खं0 नकहा के ग्राम सिरैंचा एवं अम्बरसोत में, विधानसभा निघासन के ग्राम सुथना बरसोला एवं बरसोलाकलां में, विधानसभा गोला गोकर्णनाथ में वि0खं0 कुम्भी (गोला) के ग्राम बैदाखेड़ा एवं अहमदनगर में, विधानसभा श्रीनगर में वि0खं0 बेहजम के ग्राम ढकिया बुजुर्ग एवं कोटरी में पहुंचेगी।

एक नज़र

पुलिस ड्यूटी से चंद कदम दूरी पर चोरों ने घर को बनाया निशाना हजारों का माल किया पार

संवाददाता

रामकोट-सीतापुर। रामकोट कस्बे में मुख्य चौराहे के निकट पुलिस ड्यूटी से चंद कदमों की दूरी पर बीती रात एक घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने हजारों की नगदी सहित जेवर लेकर फरार हो गए। पुलिस ड्यूटी से चंद कदमों की दूरी पर चोरी की घटना से रामकोट पुलिस की सक्रियता की पोल खुलती हुई नजर आ रही है।जानकारी के अनुसार कस्बा रामकोट निवासी रामकिशोर त्रिवेदी के घर पर बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। रामकिशोर त्रिवेदी की पत्नी सुमन देवी अपने मायके गई हुई थी घर में कोई भी नहीं था। अज्ञात चोर खाली पड़े घर में दीवार फांदकर घुसे। बंद पड़े कमरे की कुंडी काटकर एक अंगूठी, पायल, मांग बेदी, चार जोड़ी बिछिया तथा लगभग 3 हजार रुपए की नगदी लेकर फरार हो गए। सुबह पड़ोसियों को चोरी की जानकारी लगते पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुचीं रामकोट पुलिस ने खोज बीन शुरू कर दी।

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत नगर पंचायत में मनाया गया स्वच्छता जन जागृति दिवस

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के अन्तर्गत नगर विकास मंत्री की अध्यक्षता में नगर पंचायत धौरहरा में नफीस खां नगर पंचायत धौरहरा अध्यक्ष तथा ÷स्वच्छ वातावरण प्रोहत्सन समिति÷ के अध्यक्षों व सदस्यों की उपस्तिथि में ÷स्वच्छता जन जागृति दिवस÷ मनाया गया जिसमें समिति के अध्यक्षों व सदस्यों को कैप व बैज आदि वितरित किये गये। उपस्थित सभी लोगो को नगर विकास मंत्री का सम्बोधन लाइव सुनवाने हेतु सीधे प्रसारण के माध्यम से जोड़ा गया टेलीविजन से जोड़ा गया। पंचायत अध्यक्ष नफीस खान ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन खुले में शौच को खत्म करने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करने और खुले में शौच मुक्त गांव बनाने के लिए 2 अक्टूबर 2014 को भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वछता व स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ना है।

श्भ्रष्ट व भ्रष्टाचारियों पर सीडीओ निधि बंसल कसेगी नकेल

श्रीमती वंशल ने कहा गौशाला की जांच करवाकर करूंगी कार्यवाही

सीडीओ की कार्यवाही धरातल पर होगी या लाल पीली नोटे तक सिमट जाएगी

संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। विकासखंड हरगांव की ग्राम पंचायत मल्लपुर में बनी गौशाला की दैनीय स्थिति को लेकर प्रकाशित हुई खबरो पर मुख्य विकास अधिकारी निधि वंशल ने कहा जांच करवा कर होगी कार्रवाई । गौरतलब हो कि ग्राम पंचायत मल्लपुर में बनी गौशाला की दैनीय स्थित को लेकर विभिन्न समाचार पत्रों में प्रमुखता से खबरों का प्रकाशन किया गया था। किंतु विकास खंड हरगांव के भ्रष्ट भ्रष्टाचारी अधिकारियों की मनगढंत कार्यवाही कागजों पर भले हों गई हो किंतु धरातल पर कुछ नहीं दिखा। कौवे विमार जानवरों को नोच कर खा रहे थे। जो मिडिया के कैमरों में कैद हुआ था। गौशाला में पल रही गौवंशीयो की दुर्दशा शोशल मिडिया पर वायरल विडियो में सब ने देखी थी। किन्तु धरातल की हकीकत नही बदली आज दिनांक 13/12/2023 समय 2 बजकर 14 मिनट पर मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल से जब संवाददाता ने महोदया को यथास्थिति से अवगत कराया तो उन्होंने कहा की गौशाला की जांच कराऊंगी। निश्चित ही कार्रवाई सुनिश्चित होगी।अब देखना है कि कार्रवाई धरातल पर होती है या फिर सफेद कागजों तक सिमटकर ही रह जाती है।

ब्राउन शुगर के साथ एसएसबी व पुलिस ने एक को किया गिरफ्तार

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। तहसील पलिया कला के थाना गौरीफंटा बॉर्डर पर एसएसबी ने पुलिस के साथ संयुक्त रूप से एक व्यक्ति को ब्राउन शुगर के साथ पकडा है। पुलिस अधीक्षक खीरी गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, बिक्री व परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना गौरीफंटा पुलिस टीम एवं एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा थाना क्षेत्र स्थित डिगनिया मोड़ के पास से राहुल गुप्ता पुत्र भगवतसरन गुप्ता नि0 मोहल्ला बाजार प्रथम कस्बा व थाना पलिया जिला खीरी हाल पता मो0 कृष्णानगर थारू पुरवा को 15 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 35/23 अन्तर्गत धारा 8/22/23 एनडीपीएस एक्ट बनाम राहुल गुप्ता उपरोक्त पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाल अवधेश कुमार यादव,उ0नि0 अभिषेक कुमार पाण्डेय,उ0न0 प्रशिक्षु ज्ञान प्रकाश मिश्र, का0 मोहित कुमार, का0 शिवम के साथ एसएसबी की तरफ से एएसआई राजकुमार,राकेश कुमार,श्रुनुवासु राव के समेत अन्य जवान मौजूद रहे।

स्वच्छता के उद्देश्य से स्वच्छता जन जागृति दिवस का आयोजन

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका परिषद लखीमपुर में दिनांक 13 दिसम्बर 2023 को शासन के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छ वातारण प्रोत्साहन समिति के नेतृत्व में वार्ड की स्वच्छता के उद्देश्य से स्वच्छता जन जागृति दिवस का आयोजन नगर पालिका सभागार में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डा0 इरा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया गया जिसमें प्रोत्साहन समिति के माध्यम से जन भागीदारी को बढ़ाये जाने एवं स्वच्छता के प्रति प्रत्येक नागरिक को जागरूक के साथ साथ डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाले कर्मचारी को पृथक पृथक गीला-सूखा कचरा आदि दिया जाय साथ ही समिति के आये सदस्यों से भी सुझाव लिए गये कि वार्ड, शहर कैसे साफ-सुथरा रखा जा सके।इस कार्यक्रम अवसर पर सम्मानित सभासदगण सहित प्रोत्साहन समिति के आये सदस्यों को सधन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी संजय कुमार सहित सम्मानित सभागण एवं पालिका के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक विशाल शुक्ला एवं मुरारी लाल, डी0पी0एम0 विक्रान्त वर्मा स्वास्थ्य लिपिक प्रहलाद सिंह, देवाशीष मुखर्जी एवं पालिका के अधिकारी कर्मचारीगण सहित वार्डो के सफाई नायक मेट आदि उपस्थित रहें।

भारतीय किसान यूनियन के आंदोलन के संकेत से सीएचसी बिसवां में भ्रष्टाचारियों की उड़ी नींद,चर्चा तेज

सीतापुर। सीएचसी बिसवां में सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट क्लीनिक का मामला अब गर्म होकर तेजी से चर्चा तेज हो गई है तो इस पर भारतीय किसान यूनियन के कार्यवाही न होने पर आंदोलन के जो संकेत दिए हैं , जिससे अब बातें होने लगी हैं कि इस बार सीएचसी में बड़ा घटनाक्रम होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं और इसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां में भ्रष्टाचारियों की नींदे उड़ गई हैं जो चर्चा का विषय और यह भी सुना जा रहा है, सरकारी चिकित्सकों की प्राइवेट प्रैक्टिस के वायरल वीडियो से शासन की किरकिरी हुई है,यहां पर आने वाला मजदूर किसान सरकारी चिकित्सकों की हाथ की कठपुतली बन गया है और उसका दोहन हो रहा है इसको लेकर भारतीय किसान यूनियन ने वायरस समाचार पत्रों पर संज्ञान लेकर जो कार्य किया है।

चेतना मंच साझा संग्रह के संस्मरण यादों का कारवां सहयोग समय और सृजन के लिए किया गया सम्मानित

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। चेतना मंच साझा संग्रह के संस्मरण यादों का कारवां हेतु दिए गए सहयोग समय और सृजन के लिए राम मोहन गुप्त को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है।नगर के सुपरिचित समाजसेवी, साहित्यकार राम मोहन गुप्त को चेतना किस्से, कहानियां कविताएं मंच और फ्लोरेंट पब्लिकेशन नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित साझा संस्मरण यादों का कारवां में सपरिचय प्रकाशित रचनाओं हमारा जन्म दिन और हम, जब कुछ न था सब कुछ था, जीवन पाठ, उम्र पचास की और लगता नहीं के प्रकाशन पर प्रशस्ति पत्र और संकलन पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया है। यादों का कारवां संस्मरण संग्रह की संपादक प्रिय गहलौत, चेतना साहित्यिक मंच की चेतना लवास,

मोनिका सिंह, मीना सिंह मीन तथा विश्वनाथ मिश्रा द्वारा प्रशस्ति पत्र में श्रीगुप्त को, उनकी रचनाओं, समय और प्रदत्त सहयोग के लिए सम्मानित करते हुए शुभेच्छाएं दीं गई हैं।राम मोहन गुप्त %अमर% नाम से साहित्य सृजन करने वाले सेवानिवृत्त स्टेट बैंक कर्मी, प्रेरक प्रशिक्षक श्रीगुप्त इससे पूर्व विभिन्न संयुक्त काव्य संकलनों में प्रकाशित एवं मंचों द्वारा सम्मानित किए जा चुके हैं, साथ ही श्रीगुप्त की दो पुस्तकें %स्वप्न हुए साकार% एकल काव्य संकलन और स्वयं की पहचान कराती प्रेरक पुस्तक %तू ही...तेरा सारथी% प्रकाशित हो चुकी हैं।श्री गुप्त को प्राप्त उपरोक्त प्रशस्ति और सम्मान के लिए हर्ष व्यक्त करते हुए गोविन्द गुप्त, अभय गुप्ता, अरविन्द कुमार गुप्त, सुनील त्रिवेदी, देवेश गुप्ता, डा रुपक टंडन, डा वी बी धुरिया, आरती श्रीवास्तव, कुमकुम गुप्ता, मनीषा गुप्ता, अंजलि गोयल, वर्षा तुलस्यान, स्मृति गुप्ता, पारुल गुप्ता, मयूरी नागर, अनिल श्रीवास्तव, जोगेंद्र सिंह छाबड़ा, प्रवीण गुप्ता, स्टेला क्रास्टा, सुदीप कुलश्रेष्ठ, विजय गुप्ता, विपुल सेठ,अंकित जुनेजा, शिवम सिंह, नवीन गुप्ता, अजय गुप्ता, शीलू गुप्ता, के पी पप्पू, रूपेश जायसवाल, श्रीनिवास पाण्डेय, अनिल जाजोदिया, डा देवकी नंदन मालपानी, मोती सागर बसैया, अशोक अग्रवाल, डा आशुतोष गुप्ता, मिथिलेश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, रमन चंद्र श्रेष्ठ, नीति गुप्ता, मीता गर्ग, शालिनी टंडन, रचना खेतान, अर्चना गुप्ता, अपेक्षा गुप्ता, रीना गुप्ता, श्रुति गुप्ता, राखी गुप्ता, नीलम करन, सुनीता उपाध्याय, मीनाक्षी जैन, निशा, रेनू आदर्श, वासिफ खान, अमनदीप सिंह, दिलीप बरनवाल, सौरभ गुप्ता, राहुल माथुर, कुशाग्र अग्रवाल, अमित मिश्र, तुषार गर्ग, दिनेश गुप्ता, अर्जित अग्रवाल, रजत शेखर, मनीष बरनवाल, उत्कर्ष श्रीवास्तव, अर्चित महेंद्र, आलोक शुक्ला, अमित अग्रवाल, रामकृष्ण मिश्र, पंकज पुरी,उत्तम गुप्ता, तरुण साहू, तुषार गुप्ता, सुनील गुप्ता, अरुण गुप्ता, महावीर प्रसाद आदि ने बधाईयां देते हुए उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की है।

श्रीराम कथा में,बड़े भाग मानुष तन पावा सूर दुर्लभ सब ग्रंथन गावा

संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। नगर के प्रसिद्ध श्री राम जानकी मंदिर प्रांगण में चल रही श्री राम कथा में श्री राम वल्लभाकुंज पीठाधीश्वर पंडित राम शंकर दास महाराज ने श्री राम कथा की अमृत वर्षा करते हुए कहा कि बड़े भाग मानुष तन पावा सूर दुर्लभ सब ग्रंथन गावा, उन्होंने कहा कि मानव शरीर आपको जो प्राप्त हुआ है यह देवताओं को भी दुर्लभ है इसलिए इससे सत्कर्म करें संत शिरोमणि ने कहा कि मनुष्य का आहार सात्विक होना चाहिए आप जिस आहार का भगवान को भोग लगाते हैं उसी को ही ग्रहण करना चाहिए आहार का मनुष्य के जीवन पर सीधा प्रभाव पड़ता है जो जिस तरीके का भोजन करता है उसके आचार विचार भी उसी प्रकार के होते हैं, यदि आपको प्रभु की कृपा पाना है तो शुद्ध आहार का सेवन करें, उन्होंने कहा कि भगवान तो भक्ति वत्सल हैं और अपने भक्तों की कामना को पूर्ण करने वाले हैं प्रभु तो भक्तों की पीछे-पीछे चलते हैं, यदि आपको भगवान के दर्शन या कृपा पानी है तो उनके भक्तों और संतो की सेवा करें, भगवान की कृपा अपने आप प्राप्त हो जाएगी। श्री राम कथा का सेवन करने के लिए भारी संख्या में मंदिर प्रांगण में श्रद्धालु महिलाएं, बच्चे और भक्तजन उपस्थित थे। रात्रि बेला में पंकज पुरी के आवास पर संत शिरोमणि वेदांती महाराज की आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया और आरती पूजन के उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया।

सीएचसी में सरकारी चिकित्सक की प्राइवेट क्लीनिक शासनादेशों की अनदेखी, सीएमओ साहब कार्यवाही कब,बना सवाल

कब अमल में लाएंगे सरकारी फरमानों पर सीएचसी अधीक्षक बिसवां अमित कपूर नजरें इनायत,बना सवाल

संवाददाता

सीतापुर। यूपी में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के पैदल भ्रमण कर महकमे के अधिकारियों को संकेत दिए की गलत कार्य करने पर कोई माफी नहीं कार्यवाही होगी।जिस तरीके से सीएचसी बिसवां में कार्य हो रहा है वह अपने आप में है संदेह प्रतीत हो रहा है यहां तो अनजाने में नहीं जानबूझकर सब गड़बड़ किया जा रहा है। सीएचसी बिसवां पर खुलेआम धड़ल्ले से शासनादेशों की नाफरमानी हो रही है और उसके बावजूद भी कार्यवाही शून्य है,आखिर क्यों?बताते चलें कि हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह स्पष्ट हो गया कि सीएचसी बिसवा में सरकारी

चिकित्सक अपने दायित्व का निर्वहन किस तरीके से कर रहे हैं।बताते चलें कि यहां पर वायरल वीडियो में देखा गया कि तैनात चिकित्सक अपनी प्राइवेट क्लीनिक का संचालन अपने आवासों पर कर रहे हैं, और यही नहीं यहां पर आने वाले मरीजों से दवाओं में कमीशन खोरी हो रही है तो वहीं रक्त संबंध जांचों का पर्चा अलग से थमाया जाता है चर्चा हो रही है कुछ प्रतिशत भी चिकित्सकों के पास दवाओं और रक्त जांच जाता है,क्या यह सही है? फिलहाल इस सच को क्या नकारा भी जा सकता है अगर सरकारी डॉक्टर की प्राइवेट क्लीनिक सरकारी दिशा निर्देशों के विपरीत चल रही है तो क्या यह नहीं हो रहा होगा यह कहा जा सकता है और अगर प्राइवेट क्लीनिक चल रही है तो जाहिर सी बात है प्राइवेट क्लीनिक पर फीस लेकर दवा दी जा रही है और फीस के साथ-साथ दवाओं का पर्चा जिसके लिए मरीज आया है वह भी लिखी जा रही है लेकिन सवाल यह उठता है की शासन के नियमों के विपरीत हो रहा है उसके बावजूद भी कार्यवाही में देरी क्यों सूबे के उपमुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों पर अधीक्षक अमित कपूर नजरें इनायत कब करेंगे,यह भी एक सवाल बन चुका है !क्या उनको नहीं पता कि इस तरह कैसे धड़ल्ले से बेखौफ होकर शासन के नियमों को तोड़ते हुए सरकारी डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक चला रहे हैं वह भी सीएचसी परिसर में फिलहाल यह कहना भी असंभव है। सीएचसी परिसर में सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट क्लीनिक चल रही हैं सीएचसी के बड़े को पता नहीं, क्या यह माना जा सकता है। फिलहाल मानना ही है तो सब माना जा सकता है। परंतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां में इन सरकारी चिकित्सकों की प्राइवेट क्लीनिक को लेकर और प्रशासन और विभागीय आला अधिकारी की ओर से भी अब तक कार्यवाही नहीं हुई जिसको लेकर भी जनमानस में चर्चाओं का माहौल है।

एआई साइबर सिक्योरटी,डाटा साइन्स पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज यू.पी. बोर्ड में एआई साइबर सिक्योरटी,डाटा साइन्स पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री संजय सिंह असिसटेन्ट कमिश्नर इण्डस्ट्री दीप प्रज्वलन करके किया।उन्होंने विद्यार्थियो को सतत अध्ययन से जीवन को उन्नत शील बनाने की सलाह दी। इन्टीस्ट्यूट आफ इन्जीनियरिंग टेक्नोलॉजी, सीतापुर के निदेशक डॉ जगवीर सिंह ने कहा कि गणित के ज्ञान से विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस और ए आई के क्षेत्र में दूर तक जायेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज यू.पी. बोर्ड के प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्र

प्रताप सिंह ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया व ए.आई के आम जीवन में हो रहे उपयोगों की जानकारी प्रदान की व छात्रों को निरंतर अध्यनरत रहकर आगे बढ़ाने की सलाह दी। कार्यक्रम के पहले सत्र में बाबू बनारसीदास विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोफेसर डॉ हर्ष देव ने ए.आई पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कंप्यूटर प्रोग्राम के माध्यम से मशीनों में मेमोरी की क्षमता पैदा की जा सकती है जिससे वह निर्णय लेने की क्षमता से युक्त भी हो जाती है। ए.आई का प्रयोग ट्रांसपोर्टेशन रियल स्टेट, व मनोरंजन के साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा में प्रमुख रूप से हो रहा है उन्होंने गूगल डीप माइंड, आईबीएम, डाउटनेट के साथ ए.आई सुपर इंटेलिजेंस के आधुनिक प्रयोग से होने वाले लाभों से बच्चों को अवगत कराया। बाबू बनारसीदास विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोफेसर डॉ. रवि प्रसाद वर्मा ने डाटा साइन्स पर व्याख्यान देते हुए कहा कि डेटा आज की आधुनिक कम्प्यूटर तकनीक में अहम योगदान प्रदान कर रहा है, साथ ही साथ पर्यावरण, चिकित्सा शिक्षा आदि क्षेत्रों मे एआई के उपयोगों के बारे में छात्र छात्रों को विस्तृत अवगत कराया तथा आने वाले समय में इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले अवसरों में अपना भविष्य बनाने हेतु प्रेरित किया उक्त कार्यशाला में पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी. बोर्ड), सनातन धर्म सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज कॉलेज, ज्ञानस्थली इण्टर कालेज के 215 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।कार्यक्रम में सीतापुर शिक्षा संस्थान के अधिशासी निदेशक डॉ अभिषेक सिंह, डॉ संदीप शुक्ला एचओडी एप्लाइड साइन्स) श्री श्याम अनुराग एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य व शिक्षक तथा पत्रकार बंधु उपस्थित रहे तथा प्रधानाचार्य जी ने आए हुए समस्त आगंतुकों व अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन श्री इन्द्रेश कुमार शर्मा ने किया।

संसद की सुरक्षा को भेदने वाले सागर शर्मा के फेसबुक पर भगत सिंह की तस्वीर

मन में थी कुछ बड़ा करने की चाह: सागर शर्मा

संवाददाता

लखनऊ। संसद की सुरक्षा को भेदकर लोकसभा में हो रही कार्यवाही के दौरान विजिटर गैलरी से सदन में घुसने वाला सागर शर्मा फेसबुक पोस्ट से पता चलता है कि उसके मन में कुछ बड़ा करने की चाह थी। अक्सर वह ऐसी बातें करता रहता था, जैसे कि उसके मन में सत्ता विरोध भरा हो और वह कथित क्रांति करना चाहता है। इस बारे में परिजनों व आसपास के लोगों ने बताया। सागर शर्मा अपने फेसबुक वॉल पर जो कुछ पोस्ट करता उसमें अपना नाम-सागर भारत लिखता था। इसी साल 15 फरवरी को उसने एक पोस्ट में लिखा-वैसे लिखना अपने आप में कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है, अगर उसकी पहुंच ही सीमित हो, परंतु एक प्रकार से किसी व्यक्ति के लिए यह है...। इस पोस्ट के शुरुआती हिस्से को पढ़ने से ऐसा लगता है कि उसके मन में कहीं न कहीं चर्चा में रहने की

संसद की सुरक्षा को भेदकर लोकसभा में हो रही कार्यवाही के दौरान विजिटर गैलरी से सदन में घुसने वाला सागर शर्मा फेसबुक पोस्ट से पता चलता है कि उसके मन में कुछ बड़ा करने की चाह थी।

उसकी व्यक्तिगत संतुष्टि हो सकती हसरत दबी हो। अब जब उसने संसद में घटना की तो ये पोस्ट चर्चा में है। उससे कनेक्शन भी लग रहा है। ये भी साफ है कि इतनी बड़ी घटना को अंजाम देने के पीछे लंबी साजिश रही होगी।

सागर शर्मा शहीद भगत सिंह को मानता है अपना आदर्श

सागर ने अपने फेसबुक वॉल पर दो अक्तूबर 2021 में शहीद भगत सिंह की एक तस्वीर पोस्ट की। इसके कैप्शन में लिखा-ये तस्वीर शहीद भगत सिंह की है। जो 29 मई से चार जुलाई के 1927 के बीच की है, जब उनको पहली बार गोपनीय तरीके से गिरफ्तार कर लाहौर के रेलवे स्टेशन में रखा गया था। साथ में सीआईडी डीएसपी लाहौर गोपाल सिंह पन्नू हैं। बेरोजगारी पर भी उसने पोस्ट किए हैं। कुछ लोगों ने बताया कि सागर भगत सिंह को आदर्श मानता है।

भारत भयानक स्थिति में है

वैसे लिखना अपने आप में पोस्ट में ही सागर ने आगे लिखा है-भारत एक भयानक स्थिति में है। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच डूबती अर्थव्यवस्था एक ऐसे दृश्य को प्रदर्शित करती है, जहां चौराहे पर दुष्टता की पराकाष्ठा हो रही और लोग अपने-अपने घर के दरवाजे बंद करके खुद के जिंदा रहने को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देख रहे हों...। पोस्ट के इस अंश को पढ़ने से साफ हो जाता है कि सागर के मन में सत्ता को लेकर तमाम तरह की बातें चल रही थीं। शायद इसलिए उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना कारित की।

हर कोई हैरान...मोहल्ले में लगी भीड़

सागर के पकड़े जाने के बाद परिवारीजनों को जब जानकारी हुई, तो वे हैरान रह गए। कुछ ही देर में मीडियाकर्मियों का जमावड़ा लग गया। सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए। उनका कहना था कि सागर बहुत साधारण रहता था। उसका कभी किसी से कोई विवाद नहीं हुआ। उसका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। सबका एक ही सवाल था-आखिर उसने ऐसा क्यों किया? देर रात तक मोहल्ले में भीड़ जुटी रही। हर तरफ बस सागर को लेकर चर्चा हो रही थी।

लखनऊ से लेकर गांव तक खंगाली जा रही कुंडली

दिल्ली पुलिस से मिले इनपुट के आधार कमिश्नरेट पुलिस व अन्य एजेंसियां अपने स्तर से जानकारी जुटा रही हैं। सागर के एक एक परिजन से लंबी पूछताछ की गई। उसकी गतिविधियों के बारे में पता किया गया। लखनऊ से लेकर उसके गांव तक की सागर की कुंडली खंगाली जा रही है। बाकी दिल्ली की एजेंसियां अपने स्तर से कार्रवाई कर रही हैं। सागर के घर के बाहर पुलिस बल की तैनाती की गई है।

फेसबुक पर एक पोस्ट में सागर ने लिखा है कि ये भारत कई वीरों के बलिदानों का कर्जदार है, इसे धर्म-जाति के रंगों में मत बांटों। ऊपर हिन्दु, मुस्लिम दलित लिखा। अन्य स्टेटस में लिखा जिस मानव जाति को हमारे पूर्वजों ने मर्द और औरत के नाम में बांटा है वो दोनों एक से इंसान हैं। जब हम अपने बचचों के मस्तिष्क पर मर्द और औरत का भेदभाव थोपते हैं तभी इस समाज में गैर बराबरी का सिलसिला शुरू हो जाता है। जहां गैर बराबरी होती है वहां अत्याचार जरूर होगा। स्त्री सिर्फ जन्म देने वाली मशीन नहीं है, हम सभी इस्तेमाल होने के लिए नहीं जन्मे। ऐसी पोस्ट लिखने वाला शख्स कभी संसद की सुरक्षा को भेदेगा ये किसी को यकीन नहीं हो रहा।

हज पर जाने वाले दो साल से कम उम्र के बच्चों का भी लगेगा किराया

लखनऊ। हज की ख्वाहिश रखने वाले आजमीन इस बार अपने बच्चों को भी हज पर ले जा सकेंगे। आजमीन को दो साल से कम उम्र के अपने बच्चे का हवाई किराये का 10 फीसद और दो साल या उससे ज्यादा उम्र के बच्चों का अपने बराबर हज खर्च जमा करना होगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया की गाइडलाइन के मुताबिक दो साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को वयस्क के बराबर माना गया है। बीते साल सऊदी अरब सरकार के निर्णय के बाद हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज आवेदन की प्रक्रिया के बीच ही नया सर्कुलर जारी कर शून्य से लेकर 12 साल तक के बच्चों की हज यात्रा पर रोक लगा दी थी। इसके बाद हज के लिये बच्चों के आवेदन निरस्त कर दिये गये थे। इस बार हज के लिये 4 दिसंबर से हज कमेटी की वेबसाइट www.hajcommittee.gov. in और हज सुविधा एप पर ऑनलाइन आवेदन किये जा रहे हैं।

एक नज़र

छह जनवरी से शुरू होगी अयोध्या से इंडिगो की फ्लाइट, दिल्ली के लिए 10 जनवरी से प्रतिदिन

लखनऊ। अयोध्या में नवनिर्मित मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से इंडिगो की पहली फ्लाइट छह जनवरी से उड़ान भरेगी। एयरलाइंस कंपनी इंडिगो पहले चरण में अयोध्या से दिल्ली और अहमदाबाद की फ्लाइट शुरू करने जा रही है। छह जनवरी को सुबह 11.55 पर दिल्ली से उड़ान भरकर पहली फ्लाइट दोपहर 1.15 बजे अयोध्या पहुंचेगी। अयोध्या से यह फ्लाइट दोपहर 1.45 बजे रवाना होकर वापस दोपहर तीन बजे दिल्ली पहुंचेगी। इंडिया के ग्लोबल सेल्स हेड विनय मल्होत्रा ने बताया कि दस जनवरी से दिल्ली से अयोध्या और अयोध्या से दिल्ली के बीच प्रतिदिन फ्लाइट इसी समय पर फ्लाइट संचालित होगी। अहमदाबाद से अयोध्या और अयोध्या से अहमदाबाद के लिए मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को फ्लाइट संचालित होगी। 11 जनवरी को अहमदाबाद से सुबह 9.10 बजे उड़ान भरकर 11 बजे अयोध्या पहुंचेगी। अयोध्या से दोपहर 11.30 बजे रवाना होकर दोपहर 1.40 अहमदाबाद पहुंचेगी।

जंगल से सटे गांवों को पूरी रात मिलेगी बिजली, जानिए वन विभाग ने क्यों लिया ये फैसला

लखनऊ। मानव-वन्यजीव संघर्ष को न्यूनतम करने के मद्देनजर वन विभाग ने यह फैसला किया है। इसके लिए बिजली विभाग से समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी भी वन विभाग ही उठाएगा। वर्ष 2023 में मानव-वन्यजीव संघर्ष में अब तक 69 इंसान मारे जा चुके हैं। जंगल से सटे गांवों को पूरी रात बिजली देने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। मानव-वन्यजीव संघर्ष को न्यूनतम करने के मद्देनजर वन विभाग ने यह फैसला किया है। इसके लिए बिजली विभाग से समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी भी वन विभाग ही उठाएगा। उत्तर प्रदेश के जंगलों में जहां चार साल में तेंदुओं की तादाद में दोगुने से भी ज्यादा वृद्धि हुई है, वहीं वर्ष 2023 में मानव-वन्यजीव संघर्ष में अब तक 69 इंसान मारे जा चुके हैं। वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार को इस संबंध में जरूरी बैठक की गई, जिसमें वन विभाग के सभी प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने रिपोर्ट रखी कि प्रदेश में वर्ष 2018 में बाघों की संख्या 173 थी, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 205 हो गई। वन क्षेत्रों में वर्ष 2019 में 415 तेंदुए थे, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 860 हो गई। वर्ष 2017-2019 के बीच हाथी भी 232 से बढ़कर 352 हो गए हैं। इतना ही नहीं तराई क्षेत्र के वन क्षेत्रों से लगे गन्ने के खेतों में भी तेंदुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के कारण मानव-वन्यजीव संगर्ष की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। ये घटनाएं लखीमपुर खीरी, बहराइच, बिजनौर, पीलीभीत और रामपुर में अधिक हुई हैं। वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने इन जिलों में खुले में शौच करने की प्रथा को समाप्त किए जाने के लिए स्थानीय प्रशासन का सहयोग लेने के निर्देश दिए। वन क्षेत्र के नजदीकी गांवों में सूर्यास्त के बाद निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए बिजली विभाग से समन्वय स्थापित कर जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए।

111 किमी लंबाई में लगाए जा रहे चेन लिंक तार

मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने के लिए दुधवा टाइगर रिजर्व, उत्तर खीरी वन प्रभाग, कतर्निया घाट वन्यजीव प्रभाग और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 111 किमी में चेन लिंक सोलर तार लगाने का काम प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए 40.25 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से फेंसिंग का काम कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

एकमुश्त समाधान योजना से बिजली विभाग ने कमाए 2600 करोड़

बिजली चोरों से की 180 करोड़ की वसूली

लखनऊ। प्रदेश में एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस)के तहत सोमवार तक करीब 2600 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। करीब 180 करोड़ से ज्यादा का राजस्व बिजली चोरी करने वालों से मिला है। ओटीएस का दूसरा चरण 15 दिसंबर को पूरा हो रहा है। इसके बाद 16 से 31 दिसंबर तक अंतिम चरण चलेगा। प्रदेश में ऊर्जा विभाग की ओर से 8 नवंबर को एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) शुरू की गई है। अब तक बिजली चोरी के मामलों में पश्चिमांचल में 17,312 लोगों ने पंजीयन कराया है, जिनसे करीब 50.07 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। इसी तरह पूर्वांचल में 13276 उपभोक्ताओं से 53.78 करोड़, दक्षिणांचल में 14,220 उपभोक्ताओं से 39.37 करोड़, मध्यांचल में 8484 उपभोक्ताओं से 35.08 करोड़ और केस्को कानपुर के1184 उपभोक्ताओं से 2.47 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। इसी तरह सामान्य उपभोक्ताओं में मध्यांचल में 7,70,718 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया, जिनसे 490.33 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। इसी तरह पूर्वांचल में 765137 उपभोक्ताओं से 847.74 करोड़, दक्षिणांचल में 5,99,895 उपभोक्ताओं से 490.33 करोड़ और पश्चिमांचल में 5,93,036 उपभोक्ताओं से 618.86 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है।

लामार्टीनियर के प्रिंसिपल सेवानिवृत्त मंडलायुक्त ने मांगे शासन से निर्देश

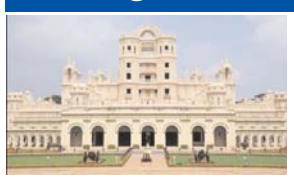

संवाददाता

लखनऊ। लामार्टीनियर बॉयज कॉलेज के प्रधानाचार्य कार्लाइल मैकफॉरलैंड का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया। उनकी सेवानिवृत्ति के बावजूद अभी तक नए प्रधानाचार्य का चयन नहीं हो पाया है। ऐसे में मंडलायुक्त रोशन जैकब ने कॉलेज के ट्रस्टी व न्याय एवं विधि परामर्शी के प्रमुख सचिव से इस मामले में दिशा-निर्देश मांगा है। लामार्टीनियर कॉलेज के प्रधानाचार्य पद को लेकर पिछले कुछ समय से काफी चर्चा है। 28 नंवबर को शासन ने प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर नए प्रधानाचार्य के चयन की प्रकिया शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद 12 दिसंबर तक कॉलेज के प्रधानाचार्य पद का चयन नहीं हो सका। इस मामले में मंडलायुक्त की ओर से शासन को भेजे गए पत्र में बताया गया कि ट्रस्टीज की ओर से प्रधानाचार्य के चयन के लिए 17 सितंबर तक आवेदन मांगे थे, जिनमें 183 लोगों ने आवेदन किया था। प्रधानाचार्य के चयन के लिए स्क्रूटनी कमेटी की ओर से 24 उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट किया गया। लोकल कमेटी ने 21 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेकर अपनी लिखित संस्तुति स्थानीय समिति के चेयरमैन को सौंप दी है। अभी तक यह सिफारिश ट्रस्टी को नहीं भेजी गई है। ऐसे में मंडलायुक्त ने कॉलेज में नए प्रधानाचार्य की नियुक्ति के लिए प्रमुख सचिव से मार्गदर्शन मांगा है।

पूर्व आईपीएस के अवैध कब्जे से खाली कराई 200 करोड़ की जमीन

जमीन पर अंटलिया आर्गेनिक्स ने किया था कब्जा

संवाददाता

लखनऊ। बसपा सरकार में ताकतवर रहे पूर्व आईपीएस अफसर के साथ निजी कंपनी के अवैध कब्जे पर बुधवार को बुलडोजर चलाकर एलडीए ने 35,000 वर्गमीटर जमीन मुक्त करा ली।

बसपा सरकार में ताकतवर रहे पूर्व आईपीएस अफसर के साथ निजी कंपनी के अवैध कब्जे पर बुधवार को बुलडोजर चलाकर एलडीए ने 35,000 वर्गमीटर जमीन मुक्त करा ली। गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर-7 में शहीद पथ से सटी इस जमीन की कीमत 200 करोड़ रुपये बताई जा रही है। उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि अमर शहीद पथ गोमतीनगर विस्तार योजना के तहत वर्ष 2000-2001 में ग्राम-अरदौनामऊ की भूमि का अधिग्रहण किया गया था। इसमें से पुलिस मुख्यालय, शहीद पथ के पास एनडीआरएफ को जमीन आवंटित की गई थी। पुलिस मुख्यालय और बन रहे बंधे के बीच 35,000 वर्गमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। यह कब्जा अंटलिया आर्गेनिक्स प्रा.लि. के निदेशक व कंपनी से जुड़े अन्य लोगों ने किया। कंपनी ने दावा किया कि वह जमीन खसरा नंबर-315 की है। जबकि जांच में पाया गया कि कब्जा किया गया 35,000 वर्गमीटर एलडीए के अधिग्रहण वाली जमीन का हिस्सा था। कंपनी जो दावा कर रही थी वह जमीन गोमती नदी में समाहित पाई गई। अवैध कब्जा की गई जमीन का संबंध पूर्व आईपीएस अफसर से भी है।

जमीन खाली करने के लिए भेजा गया था नोटिस

एलडीए ने अवैध कब्जेदारों को जमीन खाली करने के लिए नोटिस भेजा था। पर, कोई जवाब नहीं दिया गया। इस पर अभियान चलाकर जमीन खाली कराने के आदेश दिए गए थे। बुधवार को अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में नजूल अधिकारी अरविंद त्रिपाठी, जोनल अधिकारी शशिभूषण पाठक व अधिशासी अभियंता अजीत कुमार ने बुलडोजर चलवाकर बाउंड्रीवॉल, गार्ड रूम समेत अन्य अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। अवैध निर्माण ढहाने के बाद एलडीए के स्वामित्व का बोर्ड लगा दिया गया।

अयोध्या से आनंदविहार लखनऊ होकर चलेगी वंदेभारत एक्सप्रेस

संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या से आनंदविहार वाया लखनऊ जल्द वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ेगी। इसके नए रैक का आवंटन रेल कोच फैक्टरी से उत्तर रेलवे को हो गया है। 16 दिसंबर को यह रैक सौंपा जाएगा। ट्रेन में आठ कोच होंगे। इसकी समयसारिणी बनाई जा रही है।

अयोध्या से आनंदविहार वाया लखनऊ जल्द वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ेगी। इसके नए रैक का आवंटन रेल कोच फैक्टरी से उत्तर रेलवे को हो गया है। 16 दिसंबर को यह रैक सौंपा जाएगा। ट्रेन में आठ कोच होंगे। इसकी समयसारिणी बनाई जा रही है। शताब्दी व तेजस एक्सप्रेस के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए रूट बनाने की चुनौती से अफसरों को गुजरना होगा। रेलवे बोर्ड के एक सीनियर अफसर ने बताया कि आनंदविहार से लखनऊ होकर अयोध्या की दूरी वंदेभारत आठ घंटे में तय कर लेगी। ट्रेन सुबह चलाने की संभावनाएं हैं। चूंकि अयोध्या में अभी वंदेभारत के प्राइमरी मेंटनेंस की सुविधा नहीं है, इसलिए सुबह आनंदविहार से ट्रेन को चलाकर दोपहर में अयोध्या से वापसी की जा सकती है। अगर वंदेभारत शाम को आनंदविहार से चलाई गई तो यह रात में अयोध्या पहुंचेगी, जहां उसकी मेंटेनेंस नहीं हो सकेगी। इसके अलावा नियम मुताबिक सिटिंग चेयरकार की ट्रेन में रात का सफर नहीं किया जा सकता है। वहीं, सूत्र बताते हैं कि शताब्दी को वंदेभारत एक्सप्रेस से तब्दील किया जा सकता है। शताब्दी का रैक बहुत पुराना हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड ट्रेन का टाइम टेबल तैयार कर रहा है। जल्द ही इसके संचालन की तिथि के आदेश भी जारी हो जाएंगे।

68वां राष्ट्रीय रेलवे पुरस्कार समारोह-2023 नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा

- **अश्विनी वैष्णव रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं/सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए रेलवे कर्मियों/जोनल रेलवे/पीएसयू को पुरस्कार/शील्ड प्रदान किए जाएंगे।**
- **पूरे देश में 100 रेलवे कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा साथ ही क्षेत्रीय रेलवे, उत्पादन इकाइयों और पीएसयू के लिए 21 शील्ड भी प्रदान की जाएंगी।**

आवाज़ प्लस डेस्क

लखनऊ। 16 अप्रैल, 1853 को भारत में पहली रेलगाड़ी चलने के उपलक्ष्य में हर साल 10 से 16 अप्रैल तक रेल सप्ताह मनाया जाता है। रेल सप्ताह के दौरान पूरी भारतीय रेल पर समारोह आयोजित किये जाते हैं। इस वर्ष, 68वां रेल सप्ताह केंद्रीय समारोह - अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2023 का आयोजन 15 दिसंबर, 2023 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया जा रहा है। इस समारोह के दौरान, माननीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा चयनित रेलकर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कार दिया जाएगा। विशेष क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए क्षेत्रीय रेलवे/पीएसयू को शील्ड भी प्रदान की जायेंगी। इस अवसर पर रेल, कोयला और खनन राज्य मंत्री, रावसाहेब पाटिल दानवे, रेलवे और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ और सदस्य, सभी क्षेत्रीय रेलवे, रेलवे की उत्पादन इकाईयों और रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों के महाप्रबंधक भी उपस्थित रहेंगे। कुल मिलाकर, पूरे देश में विभिन्न क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाईयों और रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों के 100 रेलवे कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर 21 शील्डें भी प्रदान की जाएंगी। यह भारतीय रेल के प्रमुख समारोहों में से एक है जहां रेलवे का पूरा सेट-अप, भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में मौजूद रहेगा। भारतीय रेल, भारत मंडपम में पहली बार इस समारोह का आयोजन करने पर गर्व महसूस कर रही है।

सांड़ के डर से तीन घंटे पेड़ पर बैठे रहे बुजुर्ग व युवक, गांव के लोगों ने

लखनऊ। लखनऊ में मलिहाबाद क्षेत्र के गांवों में एक छुट्टा सांड़ आतंक का पर्याय बना हुआ है। बुधवार को इसने तरौना गांव में खेत में काम कर रहे युवक व बुजुर्ग को दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए दोनों पेड़ पर चढ़ गए और करीब तीन घंटे तक ऊपर ही बैठे रहे। जिद्दी सांड़ वहीं मंडराता रहा। इस बीच गांव के कुछ लोग उधर आते दिखे तो दोनों ने मदद की गुहार लगाई। इस पर गांव वालों ने लाठी लेकर दौड़ाया तो सांड़ भाग निकला। इसके बाद दोनों पेड़ उतर सके। तरौना निवासी किसान हंसराज गांव के बाहर अपने खेत पर सुबह करीब 11.30 बजे काम कर रहे थे, तभी सांड़ ने खेत में घुस कर उन्हें दौड़ा लिया। हंसराज भागे तो सांड़ उनके पीछे लग गया। यह देख थोडी दूर पर अपने खेत में काम रहे गांव के ही बुजुर्ग किसान परशुराम ने हंसराज को पेड़ पर चढ़ने की सलाह दी और खुद भी पेड़ पर चढ़ गए।

फर्जी पासपोर्ट के साथ एयरपोर्ट पर पकड़ा गया बांग्लादेशी

कोलकाता से जारी हुआ था वीजा व पासपोर्ट

संवाददाता

लखनऊ। भारत में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को बुधवार शाम चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन चेक के दौरान पकड़ लिया गया। आरोपी फर्जी दस्तावेज की मदद से कोलकाता से बनवाए गए पासपोर्ट के जरिये यात्रा करने जा रहा था। तलाशी में उसके पास से आधार और पैन कार्ड भी मिला है। एयरपोर्ट प्रशासन ने उसको सरोजनीनगर पुलिस के हवाले कर दिया है। एडीसीपी साउथ शशांक सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पर तैनात इमिग्रेशन अधिकारी हंसराज पटेल इमिग्रेशन काउंटर नंबर-3 पर मौजूद थे। इस दौरान एक यात्री वहां पहुंचा। उसने जांच के लिए अपना कोलकाता से जारी पासपोर्ट व वीजा दिया। बातचीत के दौरान हंसराज पटेल को उसकी भाषा कुछ अटपटी मिली। शक के आधार पर उन्होंने उसको

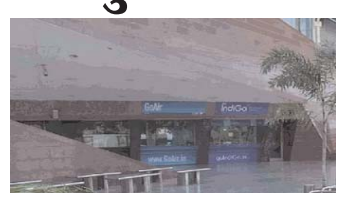

रोक लिया। पासपोर्ट पर उसका नाम शंभू बरुआ निवासी शाहिदनगर पोस्ट हालतु कोलकाता अंकित था। इमिग्रेशन अधिकारी ने जब सिस्टम पर उसके पासपोर्ट को चेक किया तो वह फर्जी मिला। इस पर यात्री को हिरासत में ले लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक आधार कार्ड और पैन कार्ड, मोबाइल फोन और डेबिट कार्ड मिला। उसके आधार कार्ड पर जन्मतिथि 10 दिसंबर 1993 लिखी थी, जबकि पैन कार्ड पर 10 दिसंबर 1995 लिखी थी।

मोबाइल पर मिला बांग्लादेश का बना जन्म प्रमाणपत्र

इमिग्रेशन अधिकारियों ने जब उसके मोबाइल फोन को चेक किया तो बांग्लादेश का बना हुआ जन्म प्रमाणपत्र मिला। उस पर वेस्ट दलाई हाथाजारी चित्तागोंग लिखा था और जन्मतिथि 20 जनवरी 1999 अंकित थी। जांच में पता चला कि आरोपी बांग्लादेश का रहने वाला है। कुछ वक्त पहले बांग्लादेश से टूरिस्ट वीजा पर भारत आया और फिर वीजा खत्म होने के बाद वापस बांग्लादेश नहीं गया। इस बीच वह कोलकाता में रहने लगा और सिक्योरिटी गार्ड का काम करने लगा। पूछताछ में सामने आया है कि उसने वहां एक युवक की मदद से फर्जी आधार व पैन कार्ड बनाया और उसकी मदद से पासपोर्ट हासिल कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह भारत से यूके जाने वाला था। एडीसीपी साउथ ने बताया कि इमिग्रेशन अधिकारी की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के पकड़े जाने की सूचना अन्य एजेंसियों को भी दी गई है।

राइड सेफ कार्यक्रम

यातायात नियमों का पालन करने के प्रति किया जागरूक

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। एरा मेडिकल कॉलेज, लखनऊ के अधिकारीयों व डॉक्टर्स एवं स्टूडेंट्स के लिए राईड सेफ कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रेक्षा गृह,में किया गया। इस अवसर पर यातायात उप निरीक्षक दुबगा राहुल वर्मा ने बताया कि जिंदगी बचाते हैं नियम, इनका पालन जरूर करें यह जानकारी देते हुए सेफ राइडिंग पोस्चर, प्रि-राइड चेक्स, सुरक्षित राइडर के गुण, रोड साइन, रोड मार्किंग की जानकारी भी प्रोजेक्टर के माध्यम से दी। सेफ्टी ट्रेनर सुमित मिश्रा ने बताया कि वाहन की तेज रफ्तार और गलत दिशा हादसों की वजह बन रही है। साथ ही वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने व सीट बेल्ट लगाने समेत यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन करके ही वाहन दुर्घटनाओ में कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में कॉलेज के डीन, प्रिंसिपल एवं सिक्योरिटी इंचार्ज एवं 170 कर्मचारियों, डॉक्टर और स्टूडेंट्स ने भाग लिया।

सम्पादकीय

अचर्चित चेहरों के हाथ कमान सौंपने के जोखिम में निहित संदेश

इन अप्रत्याशित फैसलों के भीतर कई राजनीतिक संदेश छुपे हैं, जो भाजपा के स्वयंभू नेताओं के लिए तो हैं ही, उन विपक्षी नेताओं के लिए भी हैं, जो मात्र सीट बंटवारे और वोटों के कागजी गणित के भरोसे आगामी लोकसभा चुनाव में मोदी को पटखनी देने का अरमान पाले हुए हैं।

भारतीय जनता पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व ने हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भारी जीत के बाद जिन अचर्चित चेहरों के हाथों में सत्ता की कमान सौंपी है, उससे 'चौंकना' शब्द भी फीका लगने लगा है। यह कुछ वैसा ही था कि कोई जादूगर अपनी जेब में हाथ डाले और नोट किसी भीड़ में छिपे शख्स की जेब से निकले। मोदी- शाह ने मीडिया के तमाम अटकल मीटरों को बेकार साबित कर दिया है। लेकिन इन अप्रत्याशित फैसलों के भीतर कई राजनीतिक संदेश छुपे हैं, जो भाजपा के स्वयंभू नेताओं के लिए तो हैं ही, उन विपक्षी नेताओं के लिए भी हैं, जो मात्र सीट बंटवारे और वोटों के कागजी गणित के भरोसे आगामी लोकसभा चुनाव में मोदी को पटखनी देने का अरमान पाले हुए हैं। विधानसभा चुनावों में भाजपा के जीते हुए मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्यों में 'कौन बनेगा मुख्यमंत्री' की रेस असली हार्स रेस से भी ज्यादा रोमांचक होने लगी थी। दावेदारी और राजयोग में अदृश्य मुकाबला चल रहा था। मीडिया की आंखें और राजनीतिक भविष्यवाणियां उन्हीं चंद चेहरों के आसपास मंडरा रही थीं, जिन्हें परंपरागत रूप से कुर्सी की दौड़ में प्रथम पंक्ति में माना जाता रहा था। ऐसे कुछ नाम जो सीएम या फिर वो भी नहीं तो कम से कम डिप्टी सीएम पद की शपथ लेने के लिए नए सूट सिलवा चुके थे। लेकिन हाय री किस्मत! अब टीम में बारहवें खिलाड़ी की भूमिका के भी लाले हैं। भाजपा आलाकमान ने इन फैसलों से छह संदेश दिए हैं। पहला तो कोई खुद को पार्टी से ऊपर न समझे, दूसरा भाजपा में संघ अभी भी पूरी तरह ताकतवर है, तीसरा भाजपा में कोई साधारण कार्यकर्ता भी शीर्ष पद तक पहुंच सकता है, चौथा भाजपा ने आने वाले 15 साल तक राजनीति करने वाले नए खून की फौज तैयार कर दी है, पांचवां सोशल इंजीनियरिंग में भाजपा सभी राजनीतिक दलो से मीलों आगे है और छठा, इस बदलाव के जरिए भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव की जमीन भी तैयार कर दी है और तकरीबन मुद्दे भी तय कर दिए हैं। मप्र में डा. मोहन यादव, छग में विष्णुदेव साय और राजस्थान में भजनलाल शर्मा बाकी दुनिया के लिए भले ही अचर्चित चेहरे रहे हों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा को उनकी कार्यक्षमता पर भरोसा है। अब यह इन तीनो पर है कि मिले हुए अवसर को कामयाबी में वो कितना बदल पाते हैं। खुद को कितना साबित कर पाते हैं। हालांकि यह जोखिम तो हर उस प्रयोग में रहता है, जो राजनीति की प्रयोगशाला में पहली बार किया जाता है। मप्र में जब पहली बार शिवराज को मुख्यमंत्री पद की कमान सौंपी गई थी तब कई लोगों ने उनकी नेतृत्व क्षमता और देसी छवि पर तंज कसा था, लेकिन वक्त के साथ शिवराज ने खुद कोन सिर्फ साबित किया बल्कि अपरिहार्य बन गए। उन्होंने अपनी राजनीति की नई इबारत लिखी। इमोशनल पॉलिटिक्स का नया सिलेबस तय किया और पूरे 18 साल तक सीएम पद पर जमे रहे। हालांकि, पहली पारी के सीएम शिवराज और चौथी पारी के सीएम शिवराज में काफी अंतर था। उनका अपना आभा मंडल और काकस तैयार हो गया था। इस दौरान उन्होंने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को भी यथासंभव किनारे लगाया और शायद इसकी इंतिहा हो चुकी थी। यही स्थिति राजस्थान में वसुंधरा राजे की थी। राजे तो पहले से राज परिवार से हैं। लिहाजा कुर्सी पर विराजना उनके लिए नैसर्गिक अधिकार था। उन्होंने खुद को पार्टी और राज्य का भाग्य विधाता मान लिया था। अलबत्ता छग के 15 साल सीएम रहे और बाद में भाजपा में ही हाशिए पर डाल दिए गए डॉ रमनसिंह ने खुली बगावत के रास्ते पर जाने से खुद को बचाया और कुछ बेहतर पाने की आस जिंदा रखी।

कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा में इस तरह क्षत्रप संस्कृति को समाप्त पर 'एक हाईकमान कल्चर' को लागू कर भाजपा ने बहुत बड़ा जोखिम लिया है, जो भविष्य में आत्मघाती भी हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही पार्टी का पूरी तरह आश्रित हो जाना संगठन की आंतरिक कमजोरी को दर्शाता है। यानी जब मोदी भी नहीं रहेंगे, तब क्या होगा? क्या क्षत्रपो के खंभों के बिना पार्टी का तंत्र चरमरा नहीं जाएगा? यह सवाल वाजिब है, लेकिन राजनीतिक दलों में समय रहते नए खून का संचार और उसके दिल दिमाग तक पहुंचाने की प्रक्रिया अगर कुंद हो जाती है तो उन दलों का हाल काफी हद तक कांग्रेस और वामपंथी दलों जैसा हो जाता है। कौन सोच सकता था कि पश्चिम बंगाल में 35 बरसों तक एकछत्र शासन करने के बाद आज बंगाल में माकपा को एक एक सीट के लिए भी कांग्रेस के कंधों की जरूरत पड़ रही है। त्रिपुरा में वह हाशिए पर चली गई है। राजस्थान और मप्र में कांग्रेस में सत्ता में रहते नए और पुराने खून के बीच खुली लड़ाई हुई और लेकिन कोई सकारात्मक फैसला नहीं हो सका। मप्र में अभी भी कमलनाथ हार की नैतिक जिम्मेदारी लेकर प्रदेश कांग्रेस पद से इस्तीफा देना तो दूर नैतिक आधार पर ऐसा करने की पेशकश करने की भी नहीं सोच रहे हैं। विस चुनाव नतीजों में कांग्रेस की करारी हार के बाद उनके इस्तीफे ही अफवाह उड़ी थी, जिसका तुरंत खंडन कर दिया गया। अब शायद लोकसभा चुनावों के नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। कहने का आशय यही कि जोखिम उठाकर भी भाजपा और संघ ने तीन राज्यों में राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव का जो निर्णय लिया है, उसके लिए यही सही वक्त था। एक अटकल यह भी थी कि शायद तीनो राज्यों में लोकसभा चुनावों तक फिर पुराने चेहरों के हाथों में सत्ता सूत्र थमा दिए जाएं, लेकिन इसमें खतरा यह था कि बाद में इन धुरंधरों को कुर्सी से बेदखल करना नामुमकिन होता। ताजा प्रयोग से चंद बड़े और बुजुर्ग नेता भले मायूस हों, आम कार्यकर्ता बहुत खुश है और किसी भी राजनीतिक दल की असल पूंजी यही कार्यकर्ता होते हैं। इनकी भावनाओं की अनदेखी कर राजनीतिक जागीरदारों को प्रश्रय देना सियासी दलों को महंगा पड़ सकता है। तीनों राज्यों में नए चेहरों को लेकर जिस तरह की हद दर्जे की गोपनीयता बरती गई और मुख्यमंत्री पद के आईने में अपना चेहरा देखने वालों को आखिरी दम तक मुगालते में रखा गया, वह अभूतपूर्व था और शायद इसलिए भी था कि बगावत की चिंगारी किसी भी स्तर पर न भड़के। इसके अलावा इन तीन राज्यों में बिल्कुल ताजा चेहरों की ताजपोशी के साथ राजनीतिक और जातीय समीकरण भी साधने की कोशिश है। छग में आदिवासी चेहरे विष्णुदेव साय को सीएम बनाकर समूचे आदिवासी समुदाय को यह संदेश दिया गया है कि आदिवासी भी हिंदू ही हैं और वो हमारे लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इसी तरह मप्र में बिल्कुल अप्रत्याशित चेहरे डॉ. मोहन यादव को सीएम बनाकर यूपी और बिहार के यादवों को भी संदेश दिया गया है कि वो क्षेत्रीय पार्टियों के मोह से उबरें और भाजपा से जुड़ें। मप्र और राजस्थान में दलित डिप्टी सीएम बनाकर बहनजी मायावती और उनकी पार्टी के समर्थकों को संदेश है कि भाजपा में दलितों के लिए भी पूरी जगह है। दिलचस्प बात यह है कि विस चुनाव के दौरान तीनों राज्यों में कांग्रेस पूरे समय ओबीसी जातिजनगणना का मुद्दा उठाती रही, लेकिन जिस तेलंगाना में वह स्पष्ट बहुमत के साथ चुनाव जीती, वहां उसने किसी ओबीसी के बजाए रेवंत रेड्डी के रूप में एक अगड़े को ही मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा शासित राज्यों में हुए नेतृत्व परिवर्तन ने इंडिया गठबंधन द्वारा उठाए जा रहे ओबीसी जाति गणना के मुद्दे की धार को खत्म नहीं तो कम से कम भोंथरा जरूर कर दिया है। ऐसा लगता है कि यह मुद्दा थोड़ा बहुत बिहार में ही कारगर हो सकता है। नए खून के हाथों में कमान सौंपने का एक बड़ा और गहरा संदेश इंडिया गठबंधन के उन नेताओं को भी है, जिनका अपने राज्यों में पुख्ता जनाधार तो है, लेकिन जहां पीढ़ी परिवर्तन के नाम पर चुप्पी है। गठबंधन में शामिल ज्यादातर बुजुर्ग और थके चेहरे हैं, जो देश, लोकतंत्र और संविधान बचाने के नाम पर अपनी राजनीतिक जमींदारियां बचाने में लगे हैं। इनमें से कोई भी अपने काबिज सिंहासन से उतरना नहीं चाहता और न ही अपने खानदान से बाहर किसी को नेतृत्व की बैटन सौंपने की जल्दी में है।

आतंकवाद का केंद्र बन रहा कनाडा

भारत और कनाडा के रिश्तों में आतंकवाद एक प्रमुख विषय रहा है। कनाडा पश्चिमी देशों का पिछलग्गू है, न कि वैश्विक ताकत। कनाडा इस्लामी और सिख कट्टरपंथ के साथ खेल रहा है, पर उसे अंदाजा नहीं है कि शीघ्र ही इसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ेगा।

मैंने ऐसा कई बार देखा है कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देता है या उसे सहन करता है, वह संकट में फंस जाता है। उदाहरण के लिए, सूडान, लीबिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सोमालिया, नेपाल आदि को देखा जा सकता है। इसका सबसे नवीनतम उदाहरण कनाडा है, जहां का नस्लीय नियंत्रण गैर-श्वेत प्रवासियों को पूर्ण लाभ लेने से वंचित करता है। हमें उम्मीद थी कि कनाडा अलगाव की किसी भी बात के प्रति बहुत संवेदनशील होगा, खासकर 1995 के क्यूबेक स्वतंत्रता से संबंधित जनमत संग्रह पारित होने के बाद, लेकिन उसके दोहरे मानदंड लगातार दिख रहे हैं। वह कानून के शासन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपदेश देता है, फिर भी 1970 में मौजूदा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के पिता सीनियर ट्रुडो ने युद्ध उपाय अधिनियम लागू किया और क्यूबेक अलगाववादी आंदोलन को कुचलने के लिए टैंक भेजे। हाल के वर्षों में कनाडाई नागरिकों द्वारा अंजाम दी जा रही भारत विरोधी घटनाओं के प्रति वहां की सरकार की सहनशीलता हमारे द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करती है। कनाडा ने 1974 में हमारे परमाणु परीक्षण के कुछ ही दिनों बाद हमारी परमाणु इकाइयों को सहायता देना रद्द कर दिया था। उसके बाद हमारे रिश्ते ठंडे पड़ गए। चालीस साल पहले जब कनाडाई आतंकवादियों ने एअर इंडिया के एक विमान को उड़ा दिया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे, तो हमने दोषियों के नाम बताकर कनाडा से उन्हें पकड़वाने में मदद करने की अपील की थी। उस समय मौजूदा प्रधानमंत्री के पिता सत्ता में थे और उन्होंने जांच को विफल करना सुनिश्चित किया। और सिर्फ एक व्यक्ति को कथित रूप से कुछ साल की जेल की सजा दी गई। यह महसूस करते हुए कि कनाडा आतंकवाद के प्रति नरम है, वहां हर धर्म के कट्टरपंथी इकट्ठा होने लगे। इस तरह कनाडा आतंकवाद का प्रमुख केंद्र बन गया। भारत ने जब आर्थिक उदारीकरण लागू किया, तो वर्ष 1996 में कनाडाई प्रधानमंत्री व्यापार की तलाश में 300 व्यवसायियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए भारत आए। लेकिन वह दौरा विफल हो गया। भारत ने आतंकवाद-विरोधी एक कार्यसमूह की स्थापना की, जिसे कनाडा ने भुला दिया। 2012 में भारत दौरे पर आए कनाडा के प्रधानमंत्री को खालिस्तान के प्रति सहानुभूति के कारण आधिकारिक रात्रिभोज पर नहीं बुलाया गया। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा का दौरा किया था, जो 42 वर्षों में इस तरह का पहला दौरा था और कनाडा हमें यूरेनियम बेचने पर सहमत हुआ था। इससे जिन लोगों को उम्मीद थी कि अतीत के गिले-शिकवे दूर हो जाएंगे, उन्हें जल्दी ही निराश होना पड़ा। कनाडा में जब जस्टिन ट्रूडो प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने एक कट्टरपंथी सिख पार्टी के समर्थन से अल्पमत की सरकार बनाई, जिसके चलते उन्हें एक सिख आतंकवादी और नशे के कारोबारी को रक्षामंत्री बनाना पड़ा। इसी साल वहां के प्रधानमंत्री ने अपनी संसद को अपने प्रिय आतंकवादी की हत्या में भारतीय संलिप्तता का आरोप लगाकर द्विपक्षीय रिश्ते को नुकसान पहुंचाया है। हालांकि इस पर कनाडा ने अब तक कोई सबूत पेश नहीं किया है, लेकिन भारत से सहयोग की अपेक्षा करता है। भारतीय मूल के कनाडाई भारतीय राजनयिक परिसरों, हिंदू पूजा स्थलों और हिंदी फिल्म दिखाने वाले सिनेमाघरों पर हमले करते हैं। चूंकि हमारे राजनयिक सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे, इसलिए भारत ने कनाडा के लोगों के लिए वीजा निलंबित कर दिया। जब जस्टिन ट्रुडो ने भारत की शिकायत की, तो भारत के विदेश मंत्री या विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उसका जवाब दिया। भारत की तीखी प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने कनाडा के भारत के साथ सक्रिय जुड़ाव बनाए रखने के महत्व पर जोर देना शुरू किया। फिर बीते नवंबर में अमेरिकियों ने कहा कि वे अपने एक नागरिक (एक कनाडाई नागरिक, वांछित आतंकवादी और स्पष्ट रूप से सीआईए एजेंट) की लक्षित हत्या को रोकने में कामयाब रहे। बस फिर क्या था, ट्रुडो खुशी से नाचने लगे। कनाडाई और अमेरिकी उस आतंकवादी से इतना प्यार करते हैं कि वे आतंकवाद के उसके खुले वादे का स्वागत करते हैं। जस्टिन भूल रहे हैं कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज वाणिज्य और सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक क्षेत्र है, जिसका आधार भारत है। इसलिए कोई भी देश दूसरे की खातिर भारत के साथ अपने संबंध खराब नहीं करना चाहेगा। सीमित द्विपक्षीय व्यापार में कनाडा के पास हमारी प्राथमिकता के क्षेत्र में देने के लिए बहुत ज्यादा चीजें नहीं हैं। कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों में निवेशक, उद्योगपति और व्यवसायी, अत्यधिक कुशल %शिक्षक% से लेकर कम-कुशल %सेवाकर्मी% और छात्र शामिल हैं। दोनों देशों के रिश्तों में खटास आने के बाद भारतीय शैक्षणिक सलाहकार तीन लाख 20 हजार से ज्यादा छात्रों को कहीं और जाकर शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि यह निश्चित नहीं है कि स्नातक करने के बाद उन्हें वहां वर्क परमिट मिल जाएगा। सोशल मीडिया पर ऐसे भयावह पोस्ट आ रहे हैं कि भारतीय छात्र वहां गहरे संकट में हैं। छात्राओं को अवांछनीय गतिविधियों में धकेला जा रहा है और आत्महत्याएं भी हो रही हैं। भारतीय छात्र मुख्य रूप से मध्यम और निम्न-वर्गीय परिवारों से हैं, जो नस्ली भेदभाव के कारण हाशिये पर चले जाते हैं, इसलिए आतंकवादियों के लिए आसान शिकार होते हैं। भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा निलंबित करने के साथ-साथ ओटावा को नई दिल्ली में अपने मिशन का आकार सही करने के लिए मजबूर किया है। इसके अलावा खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। चाहे वे कहीं भी हों, उनकी संपत्ति जब्त कर ली गई है, उनके ओसीआई कार्ड रद्द कर दिए गए हैं और उनके बैंक खातों को सील कर उनका नाम दुनिया को बता दिया गया है। भारत और कनाडा के रिश्तों में आतंकवाद एक प्रमुख विषय रहा है। जब 2018 में जस्टिन ट्रूडो भारत दौरे पर आए थे, तो पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें पंजाब में आतंकी गतिविधियों में लिप्त कनाडाई आतंकवादियों की एक सूची सौंपी थी। लेकिन उन्होंने उसका कोई जवाब नहीं दिया। कनाडा पश्चिमी देशों का पिछलग्गू है, न कि वैश्विक ताकत। कनाडा इस्लामी और सिख कट्टरपंथ के साथ खेल रहा है, पर उसे अंदाजा नहीं है कि शीघ्र ही इसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ेगा।

जलवायु-परिवर्तन और जागरूकता, विकसित और विकासशील देशों के लोगों के दृष्टिकोण में बड़ा फासला

सर्वेक्षण से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन के बारे में दुनिया भर के लोगों के ज्ञान और दृष्टिकोण में बहुत बड़ा फासला है। फेसबुक उपयोगकर्ताओं के एक वैश्विक सर्वेक्षण में विकसित और विकासशील देशों के लोगों के बीच जलवायु जागरूकता में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया है। जलवायु परिवर्तन पर 'अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक जनमत = 2023' नामक एक रिपोर्ट में, जलवायु परिवर्तन कम्यूनिकेशन पर येल कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय संरक्षण संगठन रेयर और डाटा फॉर गुड के शोधकर्ताओं को विकसित दुनिया के उत्तरदाताओं में जलवायु परिवर्तन को लेकर उच्च स्तर की जागरूकता मिली, जबकि अफ्रीका, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, मध्य पूर्व और कई द्विपीय देशों के आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने बताया कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में बहुत कम या कुछ भी नहीं जानते हैं। इस सर्वेक्षण में दुनिया भर के 187 देशों के 18 वर्ष से ऊपर के 1,39,136 फेसबुक के सक्रिय उपयोगकर्ताओं से प्रतिक्रियाएं जुटाई गईं। सर्वेक्षण में शामिल 110 देशों, इलाकों और क्षेत्रों में से 45 में आधे से अधिक उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में या तो बहुत कुछ या थोड़ा-बहुत जानते हैं। कई क्षेत्रों में उत्तरदाताओं के बड़े हिस्से का कहना है कि उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बारे में कभी नहीं सुना। यह रिपोर्ट दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन संबंधी धारणाओं, रवैयों, नीतिगत पसंद और व्यवहार का वर्णन करती है, जो रेयर और मेटा में सोशल इम्पैक्ट पार्टनरशिप की एकसाथ साझेदारी करने का नतीजा है। यूरोप में उत्तरदाताओं के यह कहने की सर्वाधिक संभावना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में कम से कम थोड़ा-बहुत तो जानते हैं, 31 में से 27 क्षेत्रों में बहुमत ऐसा कह रहा है। इसके विपरीत, उप-सहारा अफ्रीका के उत्तरदाताओं में इसकी संभावना सबसे कम है। जलवायु परिवर्तन संचार पर येल कार्यक्रम के निदेशक एंथनी लीसेरोविट्ज ने कहा, %दुनिया भर में बुनियादी जलवायु परिवर्तन के बारे में लोगों को बताए जाने की अभी गंभीर आवश्यकता है, खासकर दुनिया के सबसे कमजोर देशों की आबादी में।% किसी भी चुनौती से निपटने के लिए उसे झेलने वालों को उसके हर पहलू की बेहतर जानकारी होना जरूरी है। साफ जाहिर है कि जलवायु परिवर्तन के बारे में दुनिया भर के लोगों के ज्ञान और दृष्टिकोण में बहुत बड़ा फासला है। जलवायु परिवर्तन के असर से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले लोगों में इसके बारे में पूरी जानकारी और जागरूकता न होने पर इसके लिए जरूरी साक्ष्य-आधारित कार्यक्रमों और नीतियों का समर्थन करना मुश्किल हो सकता है। हालांकि ग्लोबल साउथ में कई लोग शुरू में जलवायु परिवर्तन के बारे में बेखबर थे, लेकिन एक बार संक्षिप्त परिभाषा देने पर हर स्थान पर बहुत बड़े बहुमत का कहना है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है। कुछ ही क्षेत्रों में बहुमत का कहना है कि जलवायु परिवर्तन ज्यादातर मानवीय गतिविधियों के कारण होता है, जबकि कई लोग कहते हैं कि यह समान रूप से मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक परिवर्तनों, दोनों के कारण होता है। लैटिन अमेरिका के देश जलवायु परिवर्तन को लेकर सबसे अधिक चिंतित देशों में शामिल हैं। कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर में 92 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में %बहुत चिंतित% या %कुछ हद तक चिंतित% हैं। अल साल्वाडोर में 87 फीसदी उत्तरदाताओं के यह कहने की संभावना है कि जलवायु परिवर्तन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से %निहायत% या %बहुत% महत्वपूर्ण है, जबकि 90 फीसदी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन सरकार के लिए या तो %बहुत उच्च% या %उच्च% प्राथमिकता होनी चाहिए। नीदरलैंड में केवल 45 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में चिंतित हैं या कुछ हद तक चिंतित हैं, और केवल 19 फीसदी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से बेहद या बहुत महत्वपूर्ण है। समृद्ध क्षेत्रों के उत्तरदाता आमतौर पर जलवायु परिवर्तन को व्यक्तिगत जोखिम के रूप में नहीं देखते हैं, बल्कि इसे भविष्य की पीढ़ियों या दुनिया के अन्य हिस्सों के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखते हैं। यह येल प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज कम्युनिकेशन के पूर्व अध्ययनों के अनुरूप है, जिनमें पाया गया था कि कई लोग जलवायु परिवर्तन को दूर की समस्या के तौर पर देखते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से जम्मू-कश्मीर में अब विकास लोकतंत्र और गरिमा की स्थापना

सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने भारत की संप्रभुता और अखंडता बरकरार रखी है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना पूरी तरह से उचित है कि पांच अगस्त, 2019 को हुआ निर्णय सांविधानिक एकीकरण को बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया था, न कि इसका उद्देश्य विघटन था। शीर्ष अदालत ने इस तथ्य को भी भलीभांति माना है कि अनुच्छेद 370 का स्वरूप स्थायी नहीं था। मुझे अपने जीवन के शुरुआती दौर से ही जम्मू-कश्मीर आंदोलन से जुड़े रहने का अवसर मिला है। जम्मू-कश्मीर महज एक राजनीतिक मुद्दा नहीं था, बल्कि यह विषय समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के बारे में था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नेहरू मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण विभाग मिला हुआ था और वह काफी लंबे समय तक सरकार में बने रह सकते थे। फिर भी, उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर मंत्रिमंडल छोड़ दिया और आगे का कठिन रास्ता चुना, भले ही इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन उनके अथक प्रयासों और बलिदान से करोड़ों भारतीय कश्मीर मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़ गए। कई वर्षों बाद अटल जी ने श्रीनगर में एक सार्वजनिक बैठक में 'इंसानियत', 'जम्हूरियत' और 'कश्मीरियत' का प्रभावशाली संदेश दिया, जो सदैव ही प्रेरणा का महान स्रोत भी रहा है। मेरा हमेशा से दृढ़ विश्वास रहा है कि जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हुआ था, वह हमारे राष्ट्र और वहां के लोगों के साथ एक बड़ा विश्वासघात था। मेरी यह भी प्रबल इच्छा थी कि मैं इस कलंक को, लोगों पर हुए इस अन्याय को मिटाने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूं, उसे जरूर करूं। अनुच्छेद 370 और 35 (ए) जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के सामने बड़ी बाधाओं की तरह थे। इनके कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों को वह अधिकार और विकास कभी नहीं मिल पाया, जो उनके साथी देशवासियों को मिला। इन अनुच्छेदों के कारण, एक ही राष्ट्र के लोगों के बीच दूरियां पैदा हो गईं। मैं एक बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट था- जम्मू-कश्मीर के लोग विकास चाहते हैं तथा वे अपनी ताकत और कौशल के आधार पर भारत के विकास में योगदान देना चाहते हैं। वे अपने बच्चों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता चाहते हैं, एक ऐसा जीवन जो हिंसा और अनिश्चितता से मुक्त हो। जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा करते समय, हमने तीन बातों को प्रमुखता दी- नागरिकों की चिंताओं को समझना, सरकार के कार्यों के माध्यम से आपसी-विश्वास का निर्माण करना तथा विकास, निरंतर विकास को प्राथमिकता देना। मुझे याद है, वर्ष 2014 में हमारे सत्ता संभालने के तुरंत बाद, जम्मू-कश्मीर में विनाशकारी बाढ़ आई थी, जिससे कश्मीर घाटी में बहुत नुकसान हुआ था। सितंबर, 2014 में, मैं स्थिति का आकलन करने के लिए श्रीनगर गया और पुनर्वास के लिए विशेष सहायता के रूप में 1,000 करोड़ रुपये की घोषणा भी की। इससे लोगों में यह संदेश भी गया कि संकट के दौरान हमारी सरकार वहां के लोगों की मदद के लिए कितनी संवेदनशील है। मुझे जम्मू-कश्मीर में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिलने का अवसर मिला है और इन संवादों में एक बात समान समान रूप से उभरती है- लोग न केवल विकास चाहते हैं, बल्कि वे दशकों से व्याप्त भ्रष्टाचार से भी मुक्ति चाहते हैं। उस साल मैंने जम्मू-कश्मीर में जान गंवाने वाले लोगों की याद में दीपावली नहीं मनाने का फैसला किया। मैंने दीपावली के दिन जम्मू-कश्मीर में मौजूद रहने का भी फैसला किया। जम्मू एवं कश्मीर की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हमने यह तय किया कि हमारी सरकार के मंत्री बार-बार वहां जाएंगे और वहां के लोगों से सीधे संवाद करेंगे। इन लगातार दौरों ने भी जम्मू एवं कश्मीर में सद्भावना कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2015 का विशेष पैकेज जम्मू एवं कश्मीर की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसमें बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन को बढ़ावा देने और हस्तशिल्प उद्योग को सहायता प्रदान करने से जुड़ी पहल शामिल थीं। हमने खेल शक्ति में युवाओं के सपनों को साकार करने की क्षमता को पहचानते हुए जम्मू- कश्मीर में इसका भरपूर सदुपयोग किया। विभिन्न खेलों के माध्यम से, हमने वहां के युवाओं की आकांक्षाओं और उनके भविष्य पर खेलों से जुड़ी गतिविधियों के परिवर्तनकारी प्रभाव को देखा। स्थानीय स्तर पर फुटबॉल क्लबों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाना इन सबमें एक सबसे अनूठी बात रही। इसके परिणाम शानदार निकले। मुझे प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी अफशां आशिक का नाम याद आ रहा है। वह दिसंबर, 2014 में श्रीनगर में पथराव करने वाले एक समूह का हिस्सा थी, लेकिन सही प्रोत्साहन मिलने पर उसने फुटबॉल की ओर रुख किया, उसे प्रशिक्षण के लिए भेजा गया और उसने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पंचायत चुनाव भी इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। पंचायत चुनावों की सफलता ने जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की लोकतांत्रिक प्रकृति को इंगित किया। पांच अगस्त का ऐतिहासिक दिन हर भारतीय के दिल और दिमाग में बसा हुआ है। हमारी संसद ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का ऐतिहासिक निर्णय पारित किया और तब से जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में बहुत कुछ बदलाव आया है। सभी केंद्रीय कानून अब बिना किसी डर या पक्षपात के लागू होते हैं, प्रतिनिधित्व भी पहले से अधिक व्यापक हो गया है। त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली लागू हो गई है, बीडीसी चुनाव हुए हैं, और शरणार्थी समुदाय, जिन्हें लगभग भुला दिया गया था, उन्हें भी विकास का लाभ मिलना शुरू हो गया है। केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं ने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। आवास, नल से जल कनेक्शन और वित्तीय समावेशन में प्रगति हुई है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भी बुनियादी ढांचे का विकास किया गया है। सरकारी रिक्तियां, जो कभी भ्रष्टाचार और पक्षपात का शिकार होती थीं, पारदर्शी और सही प्रक्रिया के तहत भरी गई हैं। बुनियादी ढांचे और पर्यटन में बढ़ावा सभी देख सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में मोहभंग, निराशा और हताशा की जगह अब विकास, लोकतंत्र और गरिमा ने ले ली है।

एक दिन पहले चोरी की घटना पुलिस जांच में असत्य पाया गया

जांच में सूचना असत्य पाये जाने पर शिकायतकर्ता पर उठने लगे सवालिया निशान

संवाददाता

कालपी(जालौन)। स्थानीय नगर के मोहल्ला कागजीपुरा स्थिति घर में कथित चोरी की घटना की सूचना की हकीकत को परखने के लिए इलाकाई पुलिस के द्वारा तेजी से घटता स्थल की जांच की गई। जांच में मामला असत्य पाये जाने पर गृहस्वामी की भूमिका संदिग्ध मिलने पर सवालिया निशान उठने लगे हैं। क्षेत्राधिकारी डॉक्टर देवेंद्र कुमार तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद ने बताया कि कागजीपुरा मुहल्ले के घर में कथित चोरी की घटना की सूचना मिलने पर चौकी इंचार्ज अभिलाख सिंह की पुलिस टीम तत्परता पूर्वक घटना स्थल पर पहुंची।घर के आगे पीछे हिस्सों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक कराई गई तो उसमें घर में घुसने वाले या ताला तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति की तस्वीर उजागर नहीं हुई। घटना स्थल के सामने रहने वाले पूर्व पालिकाध्यक्ष कमर अहमद ने भी पुलिस को बतलाया कि कैमरों के अलावा तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के आने जाने के लक्षण नहीं मिले हैं।ऐसी घनी बस्ती में तथा सीसीटीवी कैमरों के राडार में आकर संदिग्ध का आना जाना प्रतीत नहीं होता है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गृह स्वामी शिकायतकर्ता एक प्राइवेट बैंक में एजेंट का काम करता है। उसने कई लोगों से किस्त जमा करने के लिए रकम ले रखी है। जिसे बैंक में जमा नहीं किया है और न ही निवेशकों को रसीद दी गई है। बताते हैं कि निवेशक लोग अपनी जमा रकम को एजेंट से मांग रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक कोई भी व्यक्ति अपने घर के अंदर नगदी रखकर 2-3 दिनों के लिए लापरवाही से दूसरे शहर कैसे चला जायेगा।जब वह खुद ही बैंक का एजेंट है। अपनी रकम को वह बैंक में जमा करके जा सकता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक 11 दिसंबर को जब गृह स्वामी अपने घर में लौट आया तथा घर के हालात देखें तो वह सीधे थाने सूचना देने नहीं आया बल्कि दूसरे व्यक्तियों को बताता रहा। शिकायतकर्ता के द्वारा एक व्यक्ति का नाम लेकर शंका जता रहा है।विभिन्न तरीके से की गई जांचों में शिकायतकर्ता गृह स्वामी की चोरी की शिकायत असत्य पाई गई है । गलत तथा भ्रामक सूचना पुलिस तथा आसपास के लोगों तक पहुंचाई गई है। विदित हो कि शिकायतकर्ता ने शिकायत प्रस्तुत की थी कि जब घर के सभी लोग कन्नौज शादी में शामिल होने गये थे। तभी घर का ताला तोड़कर बदमाश नगदी तथा जेवरात ले गये थे। चोरी की शिकायत मिलने पर पुलिस जांच में मामला असत्य पाये जाने पर शिकायतकर्ता की भूमिका को लेकर सवालिया निशान उठने लगे है।

दिसंबर के आखिरी सप्ताह में कालपी के 450 परिवारों को

सरकारी आवास आवंटित हो जाएंगे

संवाददाता

कालपी जालौन। अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो दिसंबर महीने के आपकी सप्ताह में कालपी शहर के 450 परिवारों को कॉलोनी में सरकारी आवास आवंटित हो जाएंगे। सरकारी आवासों को उपलब्ध कराने के लिए पत्र पात्र आवेदको का चयन करने के लिए उपजिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व तथा नगर पालिका के कर्मचारियों की 6 टीम में जुटीटी हुई है। विदित हो कि डेढ़ दशक पहले तत्काली बसपा सरकार में कालपी नगर में 744 आवासों की मान्यवर काशीराम आवास की कॉलोनी का निर्माण का कार्य शुरू कराया गया था इसके निर्माण में कई अर्चना भी पैदा होती रही है जमीन के माल खाना हक को लेकर के रेल विभाग के द्वारा सिविल कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था फल स्वरुप कई वर्षों तक कॉलोनी का निर्माण कार्य छप रहा था। वर्ष 2020 में काशीराम कॉलोनी का निर्माण होने के बाद दीपावली को में 294 हवासों का आवंटित करके आवेदक को चाबियां सौंप दी गई थी। 294 परिवार अपने-अपने आवासों में निवास करते चले आ रहे हैं जब के करीब 450 आवास आवंटितना होने की वजह से खाली पड़े हुए हैं खाली सरकारी आवासों में समय-समय पर अपराधी घटनाओं के होने की मामले प्रकाश में आते रहते हैं। खाली पड़े आवासों को आवंटित करने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा कार्रवाई को तेज कर दिया गया है सबसे पहले 1396 आवेदन के द्वारा आवासों के लिए आप आवेदन किया था जिसमें 505 आवेदक पात्रता की सैलरी में शामिल किए गए। दरअसल 450 आवासों को आवंटित किया जाना है जबकि 550 आवेदक शामिल है पत्र आवेदको का चयन करने के लिए राजस्व विभाग के तथा नगर पालिका के 6-6 कर्मचारियों को शामिल कर के आधा दर्जन टीमे आवेदको का सूक्ष्मता से चयन करने के लिए जांच करने में जुटी हुई है। नगर पालिका कालपी के राजस्व निरीक्षक राम भगवान सिंह के मुताबिक पत्रों की चयन प्रक्रिया को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा उसके बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आवंटन की प्रक्रिया की जाएगी। इस कर के लिए कर्मचारी पूरी शिद्दत से जुटे हुए हैं।

एक नज़र

खाद्य सुरक्षा टीम के साथ औषधि प्रशासन ने चलाया जांच अभियान

दर्जनों दुकानदारों के नमूने, भेजे जांच के लिए

अमित कुमार यादव

कालपी (जालौन)।आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ उ. प्र. के आदेश एवं जिलाधिकारी जनपद जालौन के निर्देश के अनुक्रम में खाद्य पदार्थ पनीर व दूध पर आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु दिनाक 12.12.2023 को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन जनपद जालौन स्थान उरई विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर निम्नलिखित खाद्य कारोबारकर्ताओं के प्रतिष्ठान से निरीक्षण कर कार्यवाही की गयी खाद्य कारोबारकर्ता शिवम यादव स्थान रामनगर उरई से खाद्य पदार्थ दूध का नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य कारोबारकर्ता शाबिर अली स्थान उमरारखेड़ा से खाद्य पदार्थ पनीर का नमूना संग्रहित किया गया।खाद्य कारोबारकर्ता लाल बहादुर स्थान चुखर्जी रोड़ से खाद्य पदार्थ दूध का नमूना स्वहित किया गया।खाद्य कारोबारकर्ता कामता प्रसाद स्थान-चुर्सी रोड उरई से पनीर का नमूना संग्रहित किया गया।राम नगर रेलवे क्रासिंग के पास उरई स्थित खाद्य कारोबारकर्ता दया शंकर के प्रतिष्ठान से मिश्रित दूध का नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य कारोबारकर्ता कोमल पाल पुत्र देवेन्द्र पाल स्थान धुर्वी रोड़ उरई से खाद्य पदार्थ मिश्रित दूध का नमूना संग्रहित किया गया। चुर्खी रोड़ उरई स्थित विक्रेता राजक कुमार पुत्र श्री रमेश चन्द्र से मिश्रित दूध का नमूना संग्रहित किया गया।टीम में डॉ. जतिन कुमार सिंह, सहायक आयुक्त (खाद्य)-II/अभिहित अधिकारी, श्री आलोक कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कन्हैयालाल यादव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। सहायक आयुक्त (खाद्य)-11/अभिहित अधिकारी द्वारा बताया गया कि संग्रहित खाद्य नमूने वास्ते जाँच प्रयोगशाला प्रेषित किये गए है तथा जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

नियम बने तमाशबीन, जिम ट्रेनर ने चुन डाली मंडल की क्रिकेट टीम

झांसी। कानपुर में 15 से 31 दिसंबर तक प्रदेश स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए झांसी के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में मंगलवार को मंडल स्तरीय टीम की चयन प्रक्रिया (ट्रायल) आयोजित की गई थी। लेकिन, चयन टीम में एक क्रिकेट जिम ट्रेनर के शामिल होने से चयन प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं, चयन प्रक्रिया में निर्धारित समिति के कम से कम तीन सदस्य शामिल होने के मानकों का ध्यान भी नहीं रखा गया। इसे लेकर अब हड़कंप मचा हुआ है कि कैसे एक क्रिकेट कोच और जिम ट्रेनर ने टीम का चयन कर डाला। फिलहाल स्टेडियम प्रबंधन मामले की जांच कराने जा रहा है। मंगलवार को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में मंडल टीम की चयन प्रक्रिया आयोजित की गई थी। चयन प्रक्रिया में झांसी, ललितपुर व जालौन के 32 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपने खेल का प्रदर्शन किया। मौके पर 21 खिलाड़ियों का चयन किया गया। इन्हें मंडल की टीम में शामिल किया गया। लेकिन, इस पूरी चयन प्रक्रिया के दौरान स्टेडियम के कोच के साथ ही यहां मानदेय पर कार्यरत एक जिम ट्रेनर भी मुख्य चयनकर्ता की भूमिका में नजर आए। जबकि नियमानुसार तय चयन समिति के तीन सदस्यों का होना जरूरी है। जिम ट्रेनर इसमें शामिल नहीं हो सकता।

ये है चयन का नियम

जेडीसीए सचिव अजय मिश्रा के अनुसार खेल विभाग के नियमानुसार किसी भी जिला अथवा मंडल स्तर की टीम की चयन प्रक्रिया के दौरान चयन समिति का होना आवश्यक है। इसमें तीन से पांच सदस्यों की समिति का गठन किया जाता है। जिसमें राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी, एनआईएस कोच के साथ ही जिला क्रिकेट संघ का प्रतिनिधि होना आवश्यक है।

निगम के सफाई सुपरवाइजर के पद पर भी तैनात है जिम ट्रेनर, चल रही जांच

टीम के चयन के दौरान जिम ट्रेनर को चयन समिति में किस अधिकारी ने शामिल किया है। इसका जवाब भी स्टेडियम प्रबंधन के पास नहीं है। इसे लेकर फिलहाल क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी मामले की जांच कराने की बात कह रहे हैं। गौरतलब है कि मानदेय पर तैनात जिम ट्रेनर नगर निगम के सफाई सुपरवाइजर के पद पर भी तैनात है। पूर्व में हुई इसकी शिकायत पर मामले की जांच भी की जा रही है।

वर्जन

चयन समिति द्वारा ही टीम का चयन करने का नियम है। मैं शहर से बाहर था। झांसी लौटने पर इस पूरे मामले की जानकारी लेकर जांच कराई जाएगी। इसके बाद ही चयन के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

सुरेश बोनकर, प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी

स्टेडियम प्रबंधन के आदेशों पर ही कार्य करता हूं। ट्रायल के दौरान मैं मैदान पर मौजूद था। इस संबंध में स्टेडियम के आरएसओ आपको पूरी जानकारी देंगे।

विकास वेंदया, जिम ट्रेनर

कोतवाली पुलिस ने तीन वांछित अभियुक्तकों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

संवाददाता

सहसवान। बताते चलें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद बदायूँ के कुशल निर्देशन में एंव पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बदायूँ के पर्यवेक्षण मे एवं क्षेत्राधिकारी सहसवान बदायूँ के नेतृत्व में आज दिनांक 12/12/2023 को वांछित अभियुक्त गण 1- मुस्लिम पुत्र कदीर निवासी ग्राम भवानीपुर खैरू थाना सहसवान जनपद बदायूं संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 620/23 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सहसवान 2- जमशेद पुत्र अली शेर खां निवासी ग्राम अमनपुर थाना सहसवान जनपद बदायूं संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 621/23 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सहसवान को गिरफ्तार किया गया तथा वारंटी अभियुक्त जोगिंदर पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम चौहानपुर थाना सहसवान बदायूं संबंधित वाद संख्या 1475 /19 थाना मुजरिया बनाम जुगेन्दर धारा 174 आई पी सी संबंधित न्यायालय स्ष्ट/स्ज्ञ(क्क)ष्ट्ज्ञ को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष समय से पेश किया जा रहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

बदायूं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प यात्रा हमारा संकल्प विकसित भारत में जिले में जगह जगह कार्यक्रम हुए जिसमे ग्राम पंचायत म्याऊं विकास खंड म्याऊं के मंडल म्याऊं में मुख्य अतिथि आवंला लोकसभा के सांसद धमेन्द्र कश्यप की पुत्री कीर्ति कश्यप ब्लाक प्रमुख म्याऊँ के सी शाक्य राजपूत धीरज सिंह पटेल जी मण्डल मंत्री हरिशंकर मिश्रा जी का रहना हुआ उन्होंने क्षेत्र की जनता को विकसित भारत के मोदी के संकल्प के विषय में विस्तार में बताया भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जनहित में चल रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवम जनता को उनसे मिल रहे लाभ के विषय में बताते हुए ने नए भारत की दिशा कितनी तेजी से विकास की ओर बड़ते हुए कदम हम सभी उसका एहसास करा रहे हैं। म्याऊं मण्डल अध्यक्ष देवेंद्र राजपूत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे ग्राम वासियों को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए संकल्प भी दिलायी गयी कार्यक्रम में ग्राम पंचायत म्याऊँ में आवंला लोकसभा के सांसद धमेन्द्र कश्यप की पुत्री कीर्ति कश्यप ब्लाक प्रमुख म्याऊँ के सी शाक्य श्री धीरज सिह पटेल जी क्षेत्रीय मंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र कार्यक्रम सयोजक मण्डल महामत्री ओमपाल सिंह राजपुत मण्डल मत्री पंकज पाठक मण्डल महामंत्री ग्राम पंचायत म्याऊँ प्रधान कुंवरपाल कश्यप हरी शंकर मिश्रा मण्डल मंत्री रामू सिंह एवं बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे

हर बूथ स्तर तक संगठन मजबूत होगा तभी 2024 में मिलेगी

संवाददाता

बदायूं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार आज शहर कांग्रेस कमेटी बदायूं द्वारा संगठन के विस्तार हेतु शहर के मोहल्ला सोथा खेल में स्वतंत्रता सेनानी मियां जान के पुत्र इरफान हुसैन के आवास पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर पीसीसी मेंबर एवं शहर अध्यक्ष चौधरी वफाती मियां रहे संगठन का विस्तार करते हुए इरफान हुसैन को शहर संगठन मंत्री के पद से नवाजा गया एवं राकेश कुमार को वार्ड अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर उनको फूल माला पहनकर स्वागत किया इस मौके पर शहर अध्यक्ष चौधरी वफाती मियां ने कहा कि हमारा बूथ मजबूत होगा तभी हम 2024 में कामयाब होंगे आज इस सरकार में समाज का हर वर्ग परेशान है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है महंगाई आसमान छू रही है हमारे नौजवान बेरोजगार घूम रहे हैं पढ़ाई दवाई बिजली पानी सब महंगे हैं उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को अब कांग्रेस के साथ आना चाहिए तभी हम खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं संगठन मंत्री इरफान हुसैन , व राकेश कुमार ने कहा कि मुझे जो ज़िम्मेदारी दी गई है उसे मै बा खूबी निभाऊंगा गोष्ठी को प्रदेश सचिव सैयद जाविर 5ड्ड4स्त्रद्ब शहर उपाध्यक्ष मोहम्मद जाहिद जिला प्रवक्ता अरबाज राजी महासचिव अमन खान प्रवक्ता नदीम खान वा सेवा दल के अध्यक्ष हरीश कश्यप राकेश कुमार आदि ने संबोधित किया गोष्ठी का संचालन शहर उपाध्यक्ष अहमद अमजदी ने किया इस मौके पर उपाध्यक्ष आलोक जोशी, अन्नू भाई, मोहम्मद असद, रामचंद्र ,नौशाद अली, शहर सचिव निहाल उद्दीन,रईस फारुकी, कोषाध्यक्ष हाजी नाज़िर हुसैन ,शहर उपाध्यक्ष हाजी इमरान अली, हाजी रफ़ीक़ उद्दीन, आदि लोग मौजूद रहे।

मोमबत्ती जलाकर मतदाताओं को किया गया मतदान के प्रति जागरुक

संवाददाता

बिसौली। सिद्ध बाबा इंटर कालेज शरह बरौलिया में आज स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने मोमबत्ती जलाकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य लेकर मतदाताओं को जागरूक करने में लगे छात्र-छात्राओं ने मोमबत्ती जलाकर मतदाताओं को मतदान अनिवार्य रूप से करने का संदेश दिया। मतदाताओं से शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई। साथ ही सभी को वोट देने के लिए एक संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ नरेश चन्द्र गुप्ता ने सभी बच्चों से अपील की कि वे अपने घरों में जब भी बात करें वे अपने अभिभावकों से मतदान करने के लिए प्रेरित जरूर करें। कहा कि जिस तरह से यह मोमबत्ती रोशनी फैला रही है, उसी तरह से आप अपने गांव, घर, मोहल्ले में वोट देने के लिए अपील करिए। कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार शर्मा, शहादत बख्श, विपलव भारती, डॉ प्रमोद शर्मा, वृत्तिका शर्मा शिवानी कटिया, नन्दिता, रश्मि, काजल, मीनाक्षी आदि छात्राएं उपस्थित रही।

बरेली में सपा विधायक के खिलाफ डेढ़ महीने में भी साक्ष्य नहीं जुटा सकी जीआरपी

बरेली। बरेली में चालक की पिटाई और जातिसूचक शब्द कहने के मामले में डेढ़ माह के बाद भी सपा विधायक शहजिल इस्लाम के खिलाफ जीआरपी साक्ष्य नहीं जुटा सकी है। मामले में जांच सीओ जीआरपी देवी दयाल कर रहे हैं। घटना वाले दिन के सीसीटीवी फुटेज खंगाने के बाद इनकी भी जांच की गई, लेकिन विधायक पर लगे आरोप पुष्ट नहीं हुए हैं। भोजीपुरा से सपा विधायक शहजिल इस्लाम के कार चालक ने 29 अक्तूबर को विधायक के खिलाफ पीटने और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद चालक के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। सपा विधायक के खिलाफ दर्ज मामला गैर जमानती है। ऐसे में पहले माना जा रहा था कि विधायक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

पत्नी को नहीं लौटा रहा सिपाही पुलिस महानिरीक्षक बरेली से शिकायत

➤ पीड़ित ने पत्नी को पाने व सिपाही पर कार्यवाही के लिए लगाई न्याय की गुहार।

संवाददाता

कुवरगांव। सिपाही पर कार्यवाही के लिए पीड़ित पति अधिकारियों के लगातार चक्कर काट रहा है लेकिन सिपाही पर न तो कार्यवाही हो रही है । और न ही उसकी पत्नी और बच्चे मिल रहे हैं। मामला बदायूं जनपद के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के खेड़ा बुजुर्ग का है जहां रहने वाले युवक ने थाना कुवरगांव के सिपाही पर पत्नी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया था ।आरोप है कि वह केला फैक्टी में काम करता है कुवरगांव थाने का सिपाही उसकी पत्नी से लगातार बात करता था और उसने पत्नी को प्रेमजाल में फंसा लिया सिपाही 23 नवम्बर को उसकी पत्नी और दो बच्चों को बहला फुसलाकर ले गया और कहीं छुपा कर रख दिया है। पीड़ित के पास सिपाही की काल डिटेल व वीडियो कालिंग उसके फोन में सुरक्षित है जिसकी उसने शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं व थाना पुलिस से की गई थी लेकिन थाना पुलिस सिपाही का बचाना चाहती है जिससे झूठी जांच आख्या लगाई जा रही है । मंगलवार को पीड़ित पति ने पुलिस महानिरीक्षक बरेली जोन से मिलकर सिपाही के खिलाफ कार्यवाही व पत्नी को पाने के लिए गुहार लगाई है।

जिला पूर्ति अधिकारी ने किया औचक निरीक्षक

संवाददाता

मुजरिया। तहसील क्षेत्र सहसवान के दो ग्राम पंचायत की राशन की दुकानों का औचक निरीक्षण उपायुक्त खाद्य बरेली मंडल बरेली तथा जिला पूर्ति अधिकारी बदायूं एवं खाद्य निरीक्षक तथा पूर्ति निरीक्षक सहसवान की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया जिसमें वितरण एवं स्टॉक ठीक पाया गया तथा उच्च अधिकारियों ने वितरण का प्रतिशत बढाने के निर्देश दिए। उपयुक्त खाद बरेली मंडल बरेली मदन यादव ,जिला पूर्ति अधिकारी रमन मिश्रा खाद्य निरीक्षक बदायूं एवं सहसवान आसाराम पाल, पूर्ति निरीक्षक प्रदीप कुमार यादव ,की संयुक्त टीम ने ग्राम पंचायत कोल्हाई कोटेदार संतोष कुमारी पत्नी डा एन पी एस सैलानी की दुकान पर आकर औचक निरीक्षण में स्टॉक, वितरण सही मिला राशन कार्ड धारकों से वितरण सम्बन्धी जानकारी करके बयान दर्ज किए सभी संतोष जनक पाया गया वितरण अधिकारी तारा सिंह से वितरण सम्बन्धी जानकारी कर संतुष्ट हुए तथा उस्मानपुर कोटेदार भगवान सिंह की दुकान पर औचक निरीक्षण किया जहां पर अधिकारियों ने बारीकी से स्टॉक तथा वितरण को संतोषजनक पाया गया वहीं पर गांव के लोगों से राशन कार्ड धारकों से वितरण के संबंध में पूछताछ एवं बयान दर्ज किया जिसमें राशन कार्ड धारक ने वितरण को संतोषजनक तथा पूरी तोल बताकर बयान दर्ज कराया बाद में उच्च अधिकारियों ने वितरण प्रतिशत को बढ़ाने के निर्देश दिए।

एक नज़र

भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपाइयों में हर्ष

संवाददाता

आगरा! भजनलाल शर्मा को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भाजपाइयों ने शंकरगढ़ पुलिया जयपुर हाईवे पर ढोल नगाड़ों और आतिशबाजी कर जश्न मनाया और मिष्ठान वितरण किया। वरिष्ठ भाजपा नेता के के भारद्वाज ने कहा कि कार्यकर्ता का सम्मान केवल भाजपा में है।भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर मुख्यमंत्री तक बन सकता है जबकि अन्य दलों में परिवारवाद और जातिवाद के दम पर प्रतिभाओं का दमन किया जाता है। क्षेत्रीय पार्षद रवि दिवाकर,पार्षद मीनाक्षी वर्मा और पार्षद गुड्डू मेनन ने भी कि तीनों राज्यों में कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री बनाकर कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर है। 2024 में मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता के के भारद्वाज,पार्षद रवि दिवाकर, पार्षद मीनाक्षी वर्मा, पार्षद गुड्डू मेनन, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संतोषी लाल वर्मा,वीरेंद्र इंदौलिया, दीपक भारद्वाज, शिवम सिंह, अभिषेक चौहान,,राहुल भारद्वाज,ईश्वरी प्रसाद, रवि भारद्वाज, रामसहाय गोला आदि प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिंगापुर में मेडिकल कॉलेज चिकित्सको भाग लिया

आगरा। एस.एन. मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं स्पोर्ट्स इंजरी विशेषज्ञ, डॉ रजत कपूर ने एडवांस नी हैंडस ऑन कैडेवर पर सिंगापुर में वर्कशॉप में भाग लिया। उन्होंने दो दिवसीय तपस्वी चैरिटेबल एवं मेडिकल सेंटर की पूने नी कोर्स हेड्स ऑन एडवांस्ड नी कैडबरिक वर्कशाप में भाग लिया। पाठ्यक्रम का नेतृत्व पुणे के डॉ सचिन तपस्वी द्वारा किया गया । यह पाठ्यक्रम स्मिथ एंड नेफ्यू अकादमी सिंगापुर में आयोजित किया गया। इस एडवांस्ड कोर्स में आर्थरोस्कोपी की नयी - नयी तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। एस. एन . मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ प्रशांत गुप्ता ने कहा विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मेडिकल कॉलेज में मरीजों की सर्जरी की जा रही हैं, जिससे आसपास के मरीज लाभान्वित हो रहे हैं।

नवें दिन, अग्निवीर जीडी कैटेगरी के 1200 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में लिया भाग।*

एकलव्य स्टेडियम में आयोजित सेना भर्ती के दौरान युवाओं ने दिखाया उत्साह

आगरा। एकलव्य स्टेडियम में सेना भर्ती रैली जो अग्निपथ स्कीम के अन्तर्गत आती है। एकलव्य स्टेडियम में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के आज नवें दिन, जी.डी. कैटेगरी के कुल 1200 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में ने भाग लिया। इस रैली में सेना भर्ती कार्यालय आगरा के अन्तर्गत आने वाले बारह जिलों (आगरा, अलीगढ़ एटा, इटावा, झांसी, ललितपुर, फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, जालौन और कासगंज) के उम्मीदवारों ने भाग लिया। सेना भर्ती कार्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई अग्निवीर भर्ती बहुत ही जबरदस्त और उत्साही प्रतिक्रिया के साथ शुरू हुई। रैली की ऑनलाइन लिखित परीक्षा के लिए पंजीकरण का आंकड़ा लगभग 46000 था जो अपने आप में अग्निपथ योजना के प्रति यह युवाओं के उत्साह और उत्सुकता का प्रमाण है। लगभग 1300 उम्मीदवारों को भर्ती रैली के लिए शॉर्ट लिस्ट किया जा चुका है। जिले के अभ्यर्थियों के पंजीकरण के आधार पर हर एक दिन का कार्यक्रम तैयार किया गया है और इसके आधार पर प्रतिदिन औसतन 1200 मे 1400 उम्मीदवार रैली में भाग लेंगे। 12 दिसम्बर 2023 को नवें दिन भर्ती रैली में सभी बारह जिलों के कुल 1200 अग्निवीर जी डी कैटेगिरी के उम्मीदवारों ने भाग लिया। मेजर जनरल मनोज तिवारी ने रैली की व्यवस्था और पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए भर्ती में शामिल सभी अधिकारियों तथा कर्मियों की सराहना की। उन्होंने अभ्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि दलालों के नापाक वादों से प्रभावित होने के बजाय सभी अभ्यार्थियों को अपनी योग्यता के आधार पर रैली में भाग लेना चाहिए। इस भर्ती रैली को मिलिटरी स्टेशन के प्रमुख अधिकारी ब्रिगेडियर रजनीश मोहन का जबरदस्त ममर्थन मिला, साथ ही प्रशासन की ओर से जिला मजिस्ट्रेट, भानु चंद्र गोस्वामी ने हर एक सुविधा मुहैया कराई है, जैसे रैली के लिए आने वाले उम्मीदवारों के लिए आवास, मोबाइल शौचालय, पीने का पानी और बस स्टैंड तथा रेल स्टेशन से उम्मीदवारों को लाने तथा छोडने के लिए बसों की सुविधाएँ भी शामिल है। साथ ही साथ सेना भर्ती कार्यालय द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर सूचना पत्रक प्रदर्शित कर दिए गए हैं और कैन्ट रेलवे स्टेशन पर 03 दिसम्बर 2023 से नियमित रूप में भर्ती की घोषणाये की जा रही है, जो 16 दिसम्बर तक की जाएंगी, सेना और पुलिस द्वारा सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण लिए अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। उम्मीदवारों के चयन के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रिया बेहद निष्पक्ष, पारदर्शी और कठोर हैं, जिसमें उम्मीदवारों को विभिन्न परीक्षणों में गुजरना होता है जिसमें निर्धारित समय में 1.6 किमी की दौड़ पूरी करना, शारीरिक फिटनस परीक्षण, शारीरिक माप परीक्षा ,दस्तावेजीकरण और अंत में मेडिकल शामिल हैं। यह परीक्षाएं सेना के लिए उम्मीदवार की योग्यता, मानसिक चपलता और शारीरिक मजबूती की जाँच कराने के लिए बनाई गई हैं। रैली शुरू होने से पहले उम्मीदवारों को अनुचित साधन अपनाने, फर्जी दस्तावेज बनाने, दलालों के बहकावे में न आने और प्रवेश पत्र के साथ हेराफेरी, छेड़छाड़ कराने से बचने के लिए पर्याप्त रूप में आगाह किया गया या अगर ऐसा कोई उम्मीदवार पाया जाता है, तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उन्हें भर्ती प्रक्रिया में उपस्थित होने से रोक दिया जाएगा, साथ ही साथ आगे कि पुछताछ के लिए उन्हें पुलिस को सौंप दिया जायेगा। अग्निपथ योजना को प्रचारित कराने के लिए आउटरीच कार्यक्रम का विस्तार किया गया। सेना भर्ती कार्यालय आगरा की ओर में विभिन्न जिलों के स्कूलों, कॉलेजों और एनसीसी बटालियनों में प्रेरक व्याख्यान आयोजित किए गए। इसके अलावा पंपलेट, सूचना पट और डिजिटल मिडिया के माध्यम से भी प्रचार किया गया। अग्निवीरों को विभिन्न ट्रेडों के लिए शामिल किया गया है, जैसे अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निबीर क्लर्क/स्टोर कीपर, अग्निबीर तकनीकी और अग्निबीर ट्रेडमैन। अग्निवीर योजना सेना में अधिक युवा प्रोफाइल बनने से युवा अनुभव का सही संतुलन बनेगा।

ट्रैक्टर के इंजन में दबने से चालक की मौके पर मौत, एक गंभीर घायल, इलाज जारी

शहडोल। शहडोल के मोहतरा गांव में ट्रैक्टर पलटने से इंजन के नीचे दबे चालक की मौके पर मौत हो गई, वहीं एक घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर पंचायत भवन के पास अनियंत्रित हो गया और खेत में जाकर पलट गया था। गोहपारू थाना क्षेत्र के मोहतरा गांव में ट्रैक्टर पलटने से इंजन के नीचे दबे चालक की मौके पर मौत हो गई, वहीं एक घायल हुआ है। गोहपारू थाना मोहतरा गांव का रहने वाला भगत सिंह उम्र 40 वर्ष खेत से धन लेकर आ रहा था, तभी ट्रैक्टर पंचायत भवन के पास अनियंत्रित हो गया और खेत में जाकर पलट गया, चालक भगत सिंह इंजन के नीचे दब गया और उसकी मौत हो गई है।घटना की जानकारी लगते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पहुंचे और किसी तरीके से इंजन के नीचे दबे चालक को निकल गया, जब तक उसकी मौत हो गई थी।

कीर्ति नाथ महराज के आशीर्वाद को आतुर शहरवासी

कार्यक्रम को लेकर उत्साहित दिख रहें हैं शहर वासी

❖ मां की इच्छा से होगा महायज्ञ ।

आवाज प्लस डेस्क

आगरा । शहर में आयोजित होने वाले मां कामाख्या सहस्त्र चंडी महायज्ञ को लेंकर शहर वासियों में जहां उत्साह देखने को मिल रहा है वहीं महराज से आशीर्वाद लेने वालो की भीड़ निरंतर बढ़ रही है! मां कामाख्या देवी मंदिर (हिमाचल प्रदेश) के महराज कीर्ति नाथ महराज के द्वारा सहस्त्र चंडी महायज्ञ 10 फरवरी से 20 फरवरी 2024 पूर्ण कराया जाएगा! तैयारियो की कमान संभालने वाले मां कामाख्या चरण सेवक समिति के अध्यक्ष मुन्ना मिश्रा ने बताया कि मां कामाख्या सहस्त्र चंडी महायज्ञ भले ही 10 फरवरी से शुरू हो रहा है मगर उसकी तैयारियों को अंतिम रूप देने का काम शुरू कर दिया गया है ! उन्होंने बताया की मां कामाख्या देवी मंदिर (हिमाचल प्रदेश) के महराज कीर्ति नाथ महराज महायज्ञ को कराएंगे जिनके द्वारा समय समय पर यज्ञ स्थल की तैयारियो का जायजा भी ले रहे हैं महाराज जी के लिए कुटियां का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है जो जल्द पूर्ण होने की उम्मीद है ! कुटियां निर्माण के बाद महाराज जी यज्ञ स्थल पर ही विश्राम करेंगे और भक्तों को आशीर्वाद देंगे!

केन्द्रीय मंत्री सांसद उधोगपति ने भी लिया आशीर्वाद

चरण सेवक मुन्ना मिश्रा ने बताया कि महराज जी से केन्द्रीय मंत्री डा एस पी सिंह बघेल उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय सांसद राजकुमार चाहर पूर्व सांसद सीमा उपाध्याय के अलावा जनपद के जनप्रतिनिधियों और उधोगपति पूरन डाबर समेत अन्य कई उधोगपति समाजसेवी ने महराज जी से मिल कर आशीर्वाद प्राप्त किया! मुन्ना मिश्रा ने जनपद वासियों के साथ ही प्रदेश के उन सभी भक्तों से आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की अपील करते नजर आ रहे हैं जो मां कामाख्या में आस्था रखते हैं मुन्ना मिश्रा का कहना है की आयोजन भव्य हो इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और लोगों का सहयोग जिस तरह मिल रहा है उससे साफ है कि आयोजन काफी अच्छा मां की इच्छा से होगा! कार्यक्रम को लेकर पूर्वांचल सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष शंभु नाथ चौबे ने भी मोर्चा संभाल लिया है उनका कहना है की महायज्ञ विशाल होगा जिसमें कयी राज्यों के मां के भक्त भाग लेंगे!

मां के आशीर्वाद से होगा कार्यक्रम

कीर्ति नाथ महराज ने बताया कि शहर वासियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है और महायज्ञ मां के आशीर्वाद से होगा जो प्रदेश देश वासियों के लिए शुभकर होगा!

प्रतिदिन हो रहें हैं कार्यक्रम

चरण सेवक मुन्ना मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर प्रति दिन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है और उससे लोगों का रूझान और झुकाव निरन्तर बढ़ रहा है ! जल्द ही महायज्ञ को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा जिससे अधिक से अधिक लोग इस आयोजन से जुड़ सके!

पेंशनर्स जिले में 17 दिसंबर को आयोजित होगा

आवाज प्लस डेस्क

आगरा। जिले मे 17दिसंबर को पेंशन दिवस मनाया जायेगा।उक्त पेंशन दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार,आगरा में प्रातः 11 बजे किया गया है, जिसमें पेंशनर्स बन्धु अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु आवेदन भी कर सकते हैं। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने पत्र जारी कर विभागाध्यक्ष, अधिकारी तथा समस्त पेंशनर्स एसोशियेशन/ पदाधिकारी/ संगठन,आगरा शाखा आगरा को अपने स्तर से समस्त पेंशनरों को सूचित करने हेतु निर्देश दिए हैं,जिससे इस अवसर पर पेंशनरों की समस्याओं का निराकरण कराया जा सके। विभागों के अधिकारियों को भी स्वयं पेंशन दिवस के कार्यक्रम में निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर प्रतिभाग करना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

सरकारी एजेंसियों का दुरूपयोग कर रही केंद्र सरकार

जानबूझकर कर निशाना बना रही है केन्द्र सरकार -- भारती

आवाज प्लस डेस्क

आगरा। आम आदमी पार्टी के नेतृत्व में ब्रज प्रांत की लोकतंत्र बचाओ रैली का आयोजन किया गया ! जिसमें दिल्ली के विधायक सोमनाथ भारती और प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने भाग लिया! वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। इस अवसर पर प्रदेश संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। विधायक सोमनाथ भारती ने अपने संबोधन में कहा कि 2013 से उनकी सरकार है और अब एमसीडी में भी आ गयी, उनकी पार्टी की जीत से केंद्र सरकार बौखलाई है। इसी वजह से उनकी पार्टी के नेताओं को केंद्र सरकार निशाना बना रही है। लोकतंत्र बचाओ रैली में विशेष रूप से आप सांसद संजय सिंह के शोषण की आवाज उठाई गई। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा सड़क से संसद तक लोगों की आवाज उठाने वाले आप सांसद संजय सिंह को जेल भेजकर झुठे मुकद्दमे में फंसा कर साजिश रची गयी है। रैली में ब्रज प्रान्त अध्यक्ष डॉ हृदेश चौधरी ने कहा लोकतंत्र का मतलब है कि हम पांच साल में जिसको चुनते हैं, उसमें हमें सवाल पूंछने की हिम्मत होनी चाहिए। इस दौरान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल सिंह, छात्र विंग अध्यक्ष वंशराज दुबे, पंचायत प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष विनय पटेल, यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना,श्रम प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अंजनी मिश्रा जी, रितेश सिंह, जिलाध्यक्ष आगरा सिद्धार्थ चतुर्वेदी, महानगर अध्यक्ष दिलीप बंसल , जिला महासचिव संजय सिंह,कपिल वाजपेयी, बन्ने सिंह पहलवान,शैलेन्द्र गायत्री, सुनील तिमोरी,भूपेंद्र कुशवाहा, अरुण प्रताप सिंह, हर्ष कुमार सिंह, आशीष कपूर, पंकज चावला आदि तमाम लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता प्रशांत सिंह यादव ने किया।

चैक डैम का लघु एवं सिंचाई विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कराये सर्वे कार्य

आवाज प्लस डेस्क

आगरा। जिला पंचायत सभागार में अध्यक्ष मंजू भदौरिया, की अध्यक्षता में सिंचाई बन्धु बैठक आयोजित हुई। बैठक में सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, नलकूप विभाग, लघु सिंचाई विभाग, जल निगम एवं वन अधिकारी आगरा के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में,अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, हाथरस और फिरोजाबाद, कृषि अधिकारी आगरा के अधिकारी अनुपस्थित रहे,इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। बैठक में जिले में चल रही महत्वाकांक्षी परियोजना पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। सिंचाई विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद की सभी नहरों की सिल्ट सफाई कराकर नहरों में पानी संचालित कर नहरों की टेल तक पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने निर्देश दिये गये कि टर्मिनल की सफाई सही से नही हुयी है। उक्त राजवाह की सफाई कराकर पटरी का सौन्दर्गीकरण 10 दिन के अन्दर कराकर उनको अवगत कराया जाये तथा सभी नहरों की पटरियों पर जहां-जहां कूडा आदि पडा हुआ है, को हटवाकर पटरियों का सौंदर्यीकरण कराकर फोटोग्राफ उनको उपलब्ध कराये जायें। पूर्व में भी निर्देशित करने पर नहरों की सिल्ट सफाई की फोटोग्राफ एवं वीडियो उपलब्ध न कराने नाराजगी व्यक्त की गई। फतेहाबाद ब्लॉक के अन्तर्गत रिहावली ग्राम में प्रस्तावित चैक डैम का लघु सिंचाई एवं सिंचाई विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे कराया जायें। लघु सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि उनके विभाग में चल रही बोरिंग की परियोजना के तहत् पात्र अभ्यर्थी को ही उक्त परियोजना का लाभ प्रदान किया जाये। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि अमृत सरोवर के आस-पास से निकल रही विद्युत लाईन को सही कराया जाये। विद्युत की लाइन लगाने से पूर्व, जिस विभाग की जमीन हो उस से एनओसी प्राप्त की जाये। जलनिगम द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी परियोजना ÷हर घर जल÷ के अन्तर्गत 17 सीडब्लयूआर एवं 417 ओएसटी बनाये जाएंगे। जिससे आगरा जनपद में पेयजल पानी की समस्या को दूर किया जायेगा। इस पर अध्यक्ष ने निर्देश दिये गये कि परियोजना के कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे अधिकारियों द्वारा समय-समय पर कम्पनी ठेकेदार को कार्य को गुणवत्तापूर्वक कराने हेतु निर्देशित किया जायें तथा पाईप लाईन डालने हेतु खोदी जाने वाली सडक को भी ठीक बनवाया जाये। जिससे जन-मानस को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। परियोजना की जानकारी से अवगत कराया जाये तथा परियोजना के अन्तर्गत कार्यों को मानकों के अनुरूप कराया जाये तथा कार्य के सम्बन्धित फोटो व वीडियो भी अध्यक्ष को दिखाई जायें। बैठक में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि उनके विभाग में संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी बैठक में उपलब्ध कराई जाये तथा संचालित योजनाओं के कार्य को गुणवत्तापूर्ण , मानकों के अनुरूप कराये जायें।

फिर एक मासूम हुआ अंधविश्वास का शिकार, गर्म सलाखों से पांच महीने के बच्चे को 21 बार दागा, हालत गंभीर

शहडोल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पांच महीने के मासूम को 21 बार गर्म सलाखों से दागा गया। हालत बिगड़ने पर बच्चे को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका एसएनसीयू वार्ड में इलाज चल रहा है। दगना जैसे कुप्रथा का शिकार मासूम, अब जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। एक ऐसा ही मामला फिर शहडोल से सामने आया है। यहां एक पांच महीने के बच्चे को 21 बार गर्म सलाखों से दागा गया। जब उसकी तबियत ठीक नहीं हुई तो उसे अस्पताल में भर्ती कराया। घटना मुख्यालय से लगे सोहागपुर के मैकी गांव का है, जहां निमोनिया और सांस की तकलीफ होने पर मासूम बच्चे को गर्म सलाखों से दगवाया गया।

अद्भुत! महज 13 वर्ष की उम्र में पीएचडी और डी.लिट. की उपाधि

बिना विद्यालय गये जेईई की परीक्षा में 99% अंक हासिल किये देवांश ने

❖ पर्यटन स्थल बरारा में स्थापित हो रही है श्री गिर्राज देवांश अकेडमी।

❖ श्री गिर्राज देवांश अकेडमी के विद्यार्थियों ने नेशनल अबेकस एंड मेंटल मैथ प्रतियोगिता में फहराई विजय पताका।

आवाज प्लस डेस्क

आगरा। विगत दिनों संपन्न हुई नेशनल अबेकस एंड मेंटल मैथ प्रतियोगिता में विजय हासिल करने वाले विद्यार्थियों में अनुष्का बघेल, पीयूष बघेल, आदर्श सिकरवार और जयेश बघेल को नेशनल सर्टिफिकेट और ट्रॉफी से आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व शिक्षाविद अशोक धनगर, गांव बरारा के निवासी देवांश के दादाजी समान नारायण सिंह बघेल, रामबाबू सिकरवार, प्रताप सिंह और किशन सिंह बघेल ने दी। बड़ा ही भावुक पल हो जाता है, जब नाती को सम्मान दादाजी या पिताजी द्वारा मिलता है। जब बच्चों के दादाजी के आंखों में खुशी के आंसू थे बहुत ही भावुक पल था, जिसे देख ÷श्री गिर्राज देवांश अकेडमी÷ के संचालक डॉ. देवांश धनगर (उम्र 14 वर्ष) ने कहा कि आज का यह पल देख मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि हमारी अकेडमी के छात्रों जो अपने दादाजी और पिताजी के जीवन में अभी से वह खुशी पल दे पाएं। सामाजसेवी अशोक धनगर ने छात्रों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निश्चित ही एक दिन ÷श्री गिर्राज देवांश अकेडमी÷ संपूर्ण भारत में बरारा गाँव का नाम रोशन करेगी। डॉ. देवांश धनगर के पिता श्री लाखन सिंह, जो कि खुद प्राइवेट अध्यापक हैं तथा मध्यम वर्गीय जीवन व्यतीत करते हैं। उन्होंने सम्मान समारोह में उपस्थित सभी बुजुर्गों व युवाओं धन्यवाद देते हुए कहा कि, जो अपना कीमती समय निकालकर बच्चों का उत्साह बढ़ाने आए यकीन मानिए जब सम्मान मिलता है और परिवार के कोई सदस्य साथ होता है तो बच्चे को बहुत उत्साह मिलता है।

शादी के दस वर्ष बाद संतान न होने पर विवाहिता को जिंदा जलाया।

✦ मृतका के परिजनों ने लिखवाया मुकदमा, पुलिस ने अस्थियों को एकत्र कर जांच को भेजा।

आवाज प्लस डेस्क

आगरा। थाना खंदोली क्षेत्र गांव नगला रमाला में दस वर्ष शादी विवाह होने के बाद विवाहिता को ससुराली जनों ने जिंदा जला दिया। हत्या के दो दिन बाद जैसे ही मृतका के परिजनों को मिली वैसे ही थाना पहुंच गए वहा बेटी को जिंदा जला कर हत्या करने की सूचना दी वैसे ही पुलिस मै हड़कंप मच गया और थाना पुलिस के साथ साथ एसीपी एत्मादपुर गांव पहुंच गए जहां जंगल में मृतका की अस्थियां एकत्र कर जांच के लिए भेज दिया। वही मृतका के ससुरा ली जन फरार हो गए हैं। एत्मादपुर एसीपी सौरव सिंह ने बताया कि थाना खंदोली क्षेत्र के नगला रमाला निवासी गौरी शंकर पुत्र सुनहरी लाल का शादी विवाह दस वर्ष पूर्व मट सेना फिरोजाबाद निवासी रामेंद्र की पुत्री के साथ हुआ था। पुत्री के कोई संतान न होने के कारण गौरी शंकर और परिजन लगातार पुत्री का उत्पीड़न कर रहे थे। इसको लेकर कई बार पंचायत भी हुई है लेकिन आज खबर मिली है कि गौरी शंकर और उनके परिवार जनों ने उसकी पुत्री की हत्या कर जला दिया गया है। उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी निरीक्षक ने पता लगाया तो गौरी शंकर के परिवार जन ला पता है। पुलिस , डॉग स्क्वायड और फॉर्मेंसिक टीम को बुलाया गया जहा जंगल में जलाया गया वहा से अस्थियां एकत्र कर जांच को भेजी गई है। इधर थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी को दविश देना शुरू कर दी है।

पेपर लीक मामले में भंग आयोग का पूर्व सचिव फिर गिरफ्तार

अदालत से 15 तक पुलिस रिमांड पर भेजा

आवाज प्लस डेस्क

हमीरपुर (हि. प्र.)। जानकारी के मुताबिक जितेंद्र कंवर को विजिलेंस टीम ने आयोग से निलंबित वरिष्ठ सहायक उमा आजाद के घर पर मिले दो परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के आधार पर गिरफ्तार किया है।

भंग कर्मचारी चयन आयोग पेपर लीक प्रकरण में आरोपी आयोग के पूर्व सचिव जितेंद्र कंवर को विजिलेंस ने फिर गिरफ्तार किया है। देर रात गिरफ्तारी के बाद आरोपी को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया है। अदालत ने आरोपी को 15 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। आरोपी को दो पोस्टकोड के प्रश्नपत्र लीक मामले में एफआईआर में नामजद किया है। मिली जानकारी

दिसंबर, 2022 को जेओए आईटी परीक्षा के पेपर लीक मामले में पहली एफआईआर दर्ज हुई थी। 4 अप्रैल, 2023 को पोस्ट कोड 965 जेओए आईटी परीक्षा पेपर लीक मामले में पूर्व सचिव डॉ. जितेंद्र कंवर को गिरफ्तार किया था। प्रथम एफआईआर में गिरफ्तारी के बाद पुलिस रिमांड और न्यायिक हिरासत के उपरांत जितेंद्र कंवर को जमानत पर रिहा किया था। पेपर लीक प्रकरण में 28 दिसंबर, 2022 जूनियर ऑडिटर और कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती पेपर लीक मामले में दूसरी एफआईआर दर्ज हुई थी। अब इस एफआईआर जितेंद्र कंवर की गिरफ्तारी को अहम माना जा रहा है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि कर्मचारी चयन आयोग से जुड़े कुछ और लोगों की भी इसमें गिरफ्तारी हो सकती है। भंग आयोग के सचिव के साथ आरोपी जितेंद्र कंवर के पास परीक्षा नियंत्रक और भर्ती रिकॉर्ड के कस्टोडियन का जिम्मा भी था। पेपर लीक प्रकरण में अब तक 13 मामले दर्ज हो चुके हैं।

पोस्ट कोड 1003 कंप्यूटर ऑपरेटर, 1036 जूनियर ऑडिटर का है मामला

पोस्ट कोड 1003 कंप्यूटर ऑपरेटर और पोस्ट कोड 1036 जूनियर ऑडिटर का प्रश्नपत्र लीक होने पर दर्ज एफआईआर में जितेंद्र कंवर को अब गिरफ्तार किया गया है। दोनों पोस्ट कोड के तहत अभी लिखित परीक्षाओं का आयोजन किया था, लेकिन दोनों के प्रश्नपत्र मुख्य आरोपी उमा आजाद के घर से बरामद हुए थे। आरोपियों ने इनका सौदा भी कर दिया था। इन पोस्टकोड में दर्ज एफआईआर में तीन अन्य आरोपी उमा आजाद, नितिन आजाद और सोहन हैं। कंप्यूटर ऑपरेटर की लिखित परीक्षा पेपर लीक प्रकरण का भंडोफोड़ होने के एक सप्ताह बाद प्रस्तावित थी, जबकि जूनियर ऑडिटर की लिखित परीक्षा अभी तय होनी थी। आरोपी जितेंद्र कंवर को देर रात गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने आरोपी को 15 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। मामले में गहनता से छानबीन की जा रही है। -राहुल नाथ, एसपी विजिलेंस

कांग्रेस विधायक दल की बैठक 14 को, चुना जायेगा नेताप्रतिपक्ष

आवाज प्लस डेस्क

भोपाल। 16वीं विधानसभा के लिए कांग्रेस गुरुवार को अपना विधायक दल का नेता चुनेगी। इसके लिए सभी विधायकों को भोपाल बुलाया गया है। यह सभी मिलकर विधायक दल के नेता का चयन करेंगे। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मोजूद रहेंगे।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के विधायक दल की बैठक गुरुवार 14 दिसंबर को होगी। बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सुबह 11:00 बजे से शुरु होगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, चुनाव प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और स्क्रूतनी कमेटी के चेयरमैन भंवर जितेंद्र सिंह भी बैठक में विशेष रूप से मोजूद रहेंगे। इसमें 16वीं विधानसभा के लिए कांग्रेस के विधायक दल के नेता का किया जायेगा। जानकारी के अनुसार पूर्व

नेताप्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन, पूर्व मंत्री उमंग सिंघार और विधायक राव निवास रावत के नाम चर्चाओं में हैं। इनमें से किसी एक को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। बता दें, अजय सिंह पूर्व में दो बार नेताप्रतिपक्ष रह चुके हैं जबकि बाला बच्चन भी उप नेताप्रतिपक्ष का जिम्मा विधानसभा में संभाल चुके हैं। राम निवास रावत ओबीसी वर्ग से आते हैं और संसदीय कार्यवाही के अच्छे जानकर माने जाते हैं। उमंग सिंघार युवा चेहरे आदिवासी वर्ग से आते हैं और राहुल गांधी के करीबी कहलाते हैं।

ओबीसी वर्ग को मोका

मध्य प्रदेश की राजधानी इस वक्त ओबीसी वर्ग के इर्द-गिर्द घूम रही है। भारतीय जनता पार्टी ने भी ओबीसी चेहरे पर ही दांव लगाया है। बीजेपी ने मोहन यादव को अपना विधायक दल का नेता चुना है जो बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। ऐसे में कांग्रेस भी किसी ओबीसी चेहरे को ही नेता प्रतिपक्ष चुन सकती है। ओबीसी चेहरे को प्राथमिकता दी गई तो रामनिवास रावत नेताप्रतिपक्ष की रेस में बाजी मार सकते हैं।

पूर्व नेताप्रतिपक्ष हारे

15वीं विधानसभा में कांग्रेस में डॉक्टर गोविंद सिंह को नेता प्रतिपक्ष बनाया था लेकिन इस बार के विधानसभा चुनाव में वह चुनाव हार गए हैं। ऐसे में कांग्रेस को इस पद के लिए अब किसी नए चेहरे की तलाश है। 2020 में कांग्रेस की सरकार गिरने पर कांग्रेस सत्ता से सीधे विपक्ष में आ गई थी। ऐसे तब डॉक्टर गोविंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था।

एक नज़र

कांग्रेस का मंडी चल अभियान कल से

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड

ओड़िशा, भुबनेश्वर। किसान कांग्रेस का मंडी चलो अभियान कल से। पहले चरण में अभियान कल से 13 जनवरी तक चलेगा. किसान कांग्रेस 7 सूत्रीय मांग को लेकर सभी बाजारों में जाएगी. किसानों को 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस और धान की एमएसपी में बढ़ोतरी. फसल क्षति पर 25 हजार प्रति एकड़ मुआवजे की मांग।

बहनोई और अंबाला के नेता की वजह से बहन को मारा

एजेंसी

अंबाला (हरियाणा)। अंबाला में बहन की हत्या के मामले में आरोपी भाई रमन ने आत्मसमर्पण करने से पहले सोशल मीडिया पर वीडियो भी जारी की थी। जिसमें आरोपी ने हत्या करने का कारण बहनोई और अंबाला के एक नेता को बताया है। हालांकि नेता ने इस मामले से अपना कोई संबंध नकार रहे हैं। इस वीडियो में हत्यारोपी रमन जयसवाल कहता है कि सभी भाइयों को रामराम। सभी अंबालावासियों को मेरा प्रणाम। बहनों और भाइयों और माताओं जो आज ये हादसा हुआ हमारे साथ इस हादसे के लिए हम मजबूर हो गए थे। ऐसा हुआ कि जिस लड़के से हमारी बहन मेरठ में ब्याही गई थी वह भी झूठ बोलकर शादी कराई गई थी। लड़का मांगलिक था। नौ दिन में उसकी मां और बाप ने शादी करा दी थी। शादी डॉट कॉम से हमारा रिश्ता हुआ था और उसके बाद शादी के एक महीने बाद ही हमारी बहन को यह लड़का मेरठ रात के साढ़े 10 या 11 बजे के करीब अकेला छोड़कर आ गया था। उस दिन ही मैंने सोच लिया कि हमारी बहन तो आज ही मरेगी। मगर हमने अपनी मां को कहा था कि रिश्ता तोड़ दो, मगर हमारे मम्मी और पापा यही कहते थे कि घर बसाना है। ससुरालीजनों को कभी 30 हजार तो कभी 45 हजार रुपये तो कभी कुछ तो कभी कुछ दिए। यहां तक कि अपनी बहन के लिए भी हम 20, 50 रुपये तक हम भेजते थे। ठीक है, चलो कोई बात नहीं। दूसरी बात जब शादी के एक महीने बाद रात को 11ः00 बजे बहन को छोड़ आया था, मेरी बहन लिफ्ट लेकर घर पहुंची थी। अगर उस रात वह मर जाती, कुछ हो जाता तो मैंने उनसे यह बात कही थी तो उनका कहना था कि चलो गलती हो गई कोई बात नहीं। ठीक है जी, यह गलती नहीं थी यह गुनाह था तुम्हारा जो आज यह बात हो गई यहां तक। उस दिन किसी और के हाथों से मर जाती लेकिन आज अपनों के हाथों ही मारी गई है।

नेता पर पर यह लगाए आरोप

हत्यारोपी रमन वीडियो में आगे कहता है कि हत्या की दूसरी वजह अंबाला का एक नेता है। वह 10 दिन पहले हमारी गली में सफाई के लिए आया था। यह गंदे नेता हैं, क्या आंसू रोने पड़ रहे हैं, क्या दिन देखना पड़ रहा है कि हमारे को अपनी बहन पर चाकुओं से वार करना पड़ गया। कोई बात नहीं, कल हमारी बहन के बयान हो रहे थे। इस बंदे (नेता) ने हमारी बहन को फोन कर रखे थे। ठीक है उसके देखो नाती पोते हैं और हमारी बहन कहां, जिसकी वजह से सबकुछ हुआ। पता तो हमें परसों का था 7.48 बजे इसकी (नेता) कॉल आई हुई है मेरी बहन के फोन पर, मैंने फोन चैक कर लिया था। यह गंदा इंसान है। ऐसे इंसान को बस वक्त ही जवाब देगा। हम कुछ कर नहीं सकते। वक्त आने पर ही जवाब जरूर देंगे इसको और अंकुर को। वैसे शुरुआत मेरठ वालों से हुई है और अंत में फायदा ये लोग उठा रहे थे। कोई बात नहीं आगे पता लगेगा।

माता पिता और बहन से मांगी माफी

वीडियो में हत्यारोपी कहता है कि मैं अपने मां बाप से एक ही बात कहता हूं मुझे माफ करना और अपनी बहन से भी हे बहन मुझे माफ करियो। मुझसे जो हुआ है वह एक मजबूरी थी। हमें यह भी पता लग रहा था कि आठ महीने से कभी हमारी बहन ने शादी से पहले आज तक किसी से जिंदगी में पैसे नहीं मांगे। हम खुद खुल्ले खर्चे करते थे। शादी के बाद सरेआम लोगों से पैसे मांगने के फोन आते थे। सिर्फ इन्हीं लोगों की वजह से, कोई बात नहीं भाई आज हमारी बहन पैसे के वैसे मारी गई। कोई बात नहीं, पर एक दिन याद रखना अंकुर और नेता तुमने जो करना हमारे साथ इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। हम तो कल के मरते आज मर जाएं, कोई बात नहीं, हम तो पूरी जिंदगी जेल काट लेंगे। मरना सबने एक दिन है । मेरी गृह मंत्री से यही प्रार्थना है, आज मैं कोर्ट में सरेंडर कर दूंगा या विज साहब के दफ्तर पर कर दूंगा। कहीं भी सरेंडर कर दूंगा। मेरी यही हाथ जोड़कर यही प्रार्थना है कि इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और पर्चे दर्ज होने चाहिए।

लॉरेंस गैंग के सदस्य और दूसरे व्यक्ति से हैं संबंध

हत्यारोपी आगे वीडियो में कहता है कि एक बात और कहना चाहूंगा भाइयों, मेरी बहन मेरठ शहर में जैन नगर में ब्याही गई थी और मेरठ शहर के अंदर अपना एक प्रेमी भाई है जो कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग का केसबार है। अंबाला में जिसने जीतू को मारा था उसका, मेरा और मेरठ वाले भाई का आपस में काफी प्यार है। उससे जेल में मेरा संपर्क हुआ था। आपस में हम जेल में इकट्ठे थे। कई बार बाहर इनको मिले, कोर्ट के अंदर भी मिले। इस पर मैं आपसे एक प्रार्थना करना चाहूंगा। भाइयों, मेरी बहन का बदला मेरठ वालों पर शुरु हुआ है इन पर ही खत्म होगा। हम मरें या जीएं कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी भांजी वहां पर है, किसी तरह से उसे बुलाकर बहन को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा आएंगे

आवाज प्लस डेस्क

ओड़िशा, भुबनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओड़िशा आएंगे. दिसंबर के अंत तक प्रधानमंत्री के ओडिशा आगमन की सूचना है. हालांकि ऐसी जानकारी है कि प्रधानमंत्री 24 दिसंबर को ओडिशा आ रहे हैं, लेकिन पूरे कार्यक्रम के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है. हालांकि जानकारी मिली है कि प्रधानमंत्री पश्चिम ओडिशा आ रहे हैं.विपक्षी दल के मुख्य सचिव मोहन माझी ने जानकारी दी है. आगामी आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री का ओडिशा दौरा बेहद अहम है. प्रधानमंत्री के पश्चिम ओडिशा आने की खबर के बाद इसका राजनीतिक महत्व काफी बढ़ गया है. क्योंकि पश्चिम ओडिशा को बीजेपी का गढ़ कहा जाता है. पिछले चुनाव में पश्चिम ओडिशा से अधिक संख्या में भाजपा सांसद चुने गये थे। इसलिए आम चुनाव से पहले मोदी के पश्चिम ओडिशा दौरे को लेकर बीजेपी खेमा काफी उत्साहित है.

हिमाचल के प्राथमिक स्कूलों में अगले सत्र से अंग्रेजी मीडियम में होगी पढ़ाई

आवाज प्लस डेस्क

शिमला। राष्ट्रीय शिक्षा नीति संकाय (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) कौशल पर जोर देती है। ऐसे में इन विषयों को अंग्रेजी भाषा में पढ़ाने से वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर लाभ होता है। इसलिए सभी सरकारी स्कूल 2024-25 से पहली और दूसरी कक्षा से अंग्रेजी में पढ़ाना शुरू करेंगे।

हिमाचल के सभी 10,300 सरकारी प्राथमिक स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से पहली-दूसरी कक्षा से अंग्रेजी मीडियम में पढ़ाई की शुरुआत होगी। इस संबंध में राज्य सरकार की तरफ से मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। सरकार के अनुसार यह बदलाव विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार

करेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति संकाय (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) कौशल पर जोर देती है। ऐसे में इन विषयों को अंग्रेजी भाषा में पढ़ाने से वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर लाभ होता है। इसलिए सभी सरकारी स्कूल 2024-25 से पहली और दूसरी कक्षा से अंग्रेजी में पढ़ाना शुरू करेंगे। अन्य कक्षाओं में चरणबद्ध तरीके से अंग्रेजी मीडियम में पढ़ाई शुरू होगी।

सरकार ने तुरंत पांच कदम उठाने को कहा

प्रारंभिक शिक्षा निदेशक व आईएसएसई के राज्य परियोजना अधिकारी को जारी निर्देशों में सरकार के निर्णय को लागू करने के लिए तुरंत पांच कदम उठाने को कहा गया है।

1. इस निर्णय के कार्यान्वयन में आने वाले शैक्षणिक और अन्य तार्किक मुद्दों को संबोधित करने के लिए शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम/प्रशिक्षण/कार्यशालाओं की योजना बनानी होगी।
2. शिक्षा के माध्यम में बदलाव को ध्यान में रखते हुए 2024-25 के लिए प्रशिक्षण कैलेंडर की योजना बनेगी।
3. निर्णय को लागू करते समय शिक्षकों के सामने आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को हल करने के लिए एक तंत्र बनाना होगा।
4. पर्याप्त संख्या में किताबें छपवाएं, ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से अंग्रेजी माध्यम निर्बाध परिवर्तन हो सके।
5. उपरोक्त निर्णय को लागू करने के लिए बजटीय आवश्यकताओं (जैसे किताबें, आवश्यक शिक्षण सहायता, प्रशिक्षण सहायता) की योजना समय पर बनाएं।

इस्तीफे के बाद भाई शिवराज से गले लगकर रोने लगीं लाडली बहनें

आवाज प्लस डेस्क

भोपाल। मुख्यमंत्री के पद से शिवराज सिंह चौहान का जाना लाडली बहनाओं को भावुक कर रहा है। उनके इस्तीफा देने के बाद से ही बड़ी संख्या में लाडली बहनें सीएम निवास पहुंचकर मुलाकात कर रही हैं। मंगलवार को भी लाडली बहनें अपने भाई शिवराज से मिलने सीएम हाउस पहुंचीं। इतना ही नहीं बहनें अपने भाई शिवराज को देखकर भावुक हो गईं। उनकी आंखों से आंसू बहने लगे।

मैं कहीं नहीं जा रहा हूं

भाई शिवराज भी बहनों को रोता देख भावुक हो गए। वे उन्हें ढांढस बंधाने लगे। शिवराज ने उन्हें गले से लगा लिया। बहनों ने भाई शिवराज के गले लगकर कहा कि हम आपको नहीं

छोड़ेंगे। उन्होंने भी अपनी बहनों को समझाते हुए कहा कि मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। बता दें, भारतीय जनता पार्टी ने मोहन यादव को विधायक दल का नेता चुना है और अब वे मध्य प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री होंगे। यादव के नेता चुने जाने के बाद ही शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। नए सीएम के शपथ लेने तक अब वे कार्यवाहक सीएम हैं।

जीत वाले दिन भी रही थी धूम

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के परिणाम 3 दिसंबर को आए थे। भारतीय जनता पार्टी को इसमें प्रचंड बहुमत मिला था। नतीजा सामने आते ही लाडली बहनाएं शिवराज को बधाई देने बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचीं थीं। यहां उन्होंने भाजपा की जीत पर जमकर जश्न मनाया था। बता दें, शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री रहते हुए लाडली बहन योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत प्रदेश की सभा करोड़ बहनों को 1230 सो रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। यह राशि 10 तारीख को प्रत्येक महीने बहनों के अकाउंट में डाली जाती है।

मोदी मैजिक या लाडली बहना

विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद से ही चर्चा है कि भाजपा की इस एकतरफा जीत का श्रेय किसको जाता है। इस सवाल पर दो राय सामने आ रही हैं। जहां संगठन से जुड़े लोगों का कहना है कि मोदी मैजिक के चलते भाजपा की यह बड़ी जीत हुई है। इनमें खुद प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय जैसे लोगों के बयान शामिल हैं। वहीं शिवराज सिंह चौहान के लोग इस जीत के लिए लाडली बहना योजना को क्रेडिट दे रहे हैं।

फंड की दिक्कत से जूझ रहे मंडी बोर्ड के इंजीनियर संभालेंगे दूसरे विभागों का काम

आवाज प्लस डेस्क

चंडीगढ़। केंद्र सरकार की ओर से ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) की राशि जारी न किए जाने की वजह से मंडी बोर्ड की ओर से करवाए जाने वाले विकास से जुड़े काम पर असर पड़ रहा है। फंड की दिक्कत से जूझ रहे मंडी बोर्ड के इंजीनियरों के पास भी कोई काम नहीं रह गया है। ऐसे में सरकार आने वाले समय में जब तक फंड नहीं मिलता है तब तक इंजीनियरों को अन्य विभागों में तैनात करने की रणनीति पर विचार कर रही है। इसके अलावा उन्हें अन्य विभागों की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है। यह मामला मुख्यमंत्री भगवंत मान के समक्ष उठ चुका है। इसके बाद इस दिशा में कार्रवाई शुरू हुई है। कृषि विभाग की तरफ से यह मामला सीएम भगवंत सिंह मान के समक्ष मीटिंग में उठाया है। विभाग की दलील थी कि केंद्र से फंड जारी ने होने के बाद तकनीकी स्टाफ के पास अब उस हिसाब से काम नहीं है, जिस तरह से माहिर काम करने में सक्षम है। ऐसे में विभाग इंजीनियरों की प्रतिभा का प्रयोग नहीं कर पा रहा है। ऐसे में इस स्टाफ के उचित प्रयोग पर रणनीति बनानी चाहिए। इसके बाद मीटिंग में इस स्टाफ को अन्य विभागों के प्रोजेक्टों की जिम्मेदारी सौंपने की रणनीति बनी है।

प्रोजेक्टों में तेजी आएगी, काम में पारदर्शिता

सरकार को उम्मीद है कि इन मुलाजिमों के अन्य विभागों में जाते या संभालते ही उनके चल रहे प्रोजेक्टों में तेजी आएगी, काम में पारदर्शिता आएगी। साथ ही सरकार का भी फायदा होगा। सूत्रों के अनुसार मंडी बोर्ड के पास सौ के करीब तकनीकी स्टाफ रहता है। इसके अलावा जिला स्तर पर स्टाफ रहता है, जो कि इन सारी जिम्मेदारियों को निभाता है। याद रहे कि मंडी बोर्ड सड़कों, पुलों समेत इमारतों आदि का निर्माण करता है।

आप के ब्लॉक अध्यक्ष पर कातिलाना हमला घर में गोलीबारी, सिविल अस्पताल में भर्ती

आवाज प्लस डेस्क

चंडीगढ़। मुक्तसर जिले के गांव नूरपुर कृपालके में आम आदमी पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष पर कुछ लोगों ने कातिलाना हमला कर दिया। आरोपियों ने घर में घुसकर गोलियां चलाईं। हालांकि ब्लॉक अध्यक्ष को गोली तो नहीं लगी है लेकिन मारपीट में वह घायल हो गए हैं जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। आरोपी वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। हमलावर अकाली दल से संबंधित बताए जा रहे हैं। अस्पताल में भर्ती आप के ब्लॉक अध्यक्ष सारज सिंह लाडी कृपालके ने बताया कि सोमवार की देर रात वह अपने परिवार के साथ घर में ही थे। इस दौरान गांव के कुछ लोग रंजिशन अपने कुछ साथियों को साथ लेकर थार गाड़ी से आए और उसके घर के बाहर दो गोलियां चलाई। इसके बाद हमलावर उसके घर में घुस आए और ललकारते हुए एक फायरिंग की। यह देख वह घबरा गया और हमलावरों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। लाडी ने आरोप लगाया कि उसे घायल करने के बाद हमलावर डेढ़ घंटे तक उसके घर के बाहर थार गाड़ी पर हुल्लड़बाजी व फायरिंग करते रहे। पुलिस के आने के बाद हमलावर मौके से भाग निकले और पुलिस ने आकर उसे घायल अवस्था में सिविल अस्पताल मुक्तसर में भर्ती करवाया। लाडी के अनुसार गांव की सरपंच के बेटे ने भी तीन दिन पहले हमलावरों के खिलाफ पुलिस थाने शिकायत दर्ज करवाई थी। मगर पुलिस ने उन पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की। अगर पुलिस ने उसी समय कोई एक्शन लिया होता तो शायद आज उन पर ये कातिलाना हमला न होता। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

जिसको मिली जमानत वो जेल में, दूसरे को छोड़ा

अंबाला जेल प्रशासन की गलती या साजिश, जांच का आदेश

आवाज प्लस डेस्क

चंडीगढ़। हरियाणा जेल प्रशासन पर जमानत पर किसी अन्य कैदी को छोड़ने का आरोप है। पीड़ित व्यक्ति ने फर्जी केस दर्ज करने का आरोप भी लगाया। मामला हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज तक जा पहुंचा है। अब अनिल विज ने डीजी (जेल) को पूरे मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है। अंबाला जिले के गांव बलाणा निवासी महिला व परिवार के सदस्यों ने जेल प्रशासन पर आरोप लगाया कि उनका बेटा झगड़े के मामले में अंबाला केंद्रीय जेल जेल में था। उसकी गत दिनों जमानत हो गई थी। परिवार के लोग जब बेटे को लेने जेल पहुंचे तो जेल प्रशासन ने उन्हें बताया कि उनका बेटा पहले ही जमानत पर छूटकर घर चला गया है। उन्होंने बताया कि पूरी

रात वह बेटे की तलाश करते रहे। मगर उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद परिवार के लोग जेल पहुंचे लेकिन प्रशासन ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। लगभग सप्ताह बाद उन्हें पता चला कि उनके बेटे को फिर से कोर्ट में पेश किया जा रहा है। कोर्ट में पहुंचने पर बेटे ने बताया कि उसकी पहले जमानत हो गई थी। मगर जेल प्रशासन ने उसके स्थान पर जेल में बंद एक अन्य व्यक्ति को छोड़ दिया। अब मिलीभगत को छिपाने की खातिर जेल प्रशासन ने फर्जी केस में फंसाकर गिरफ्तार किया गया है। परिवार ने गृह मंत्री अनिल विज से इस मामले में जेल प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उनके बेटे पर दर्ज फर्जी केस को रद्द करने की मांग की।

गृह मंत्री अनिल विज ने डीजी जेल से बात की और सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। विज ने कहा कि जेल प्रशासन की मिलीभगत के बिना ऐसा संभव नहीं हो सकता है कि एक व्यक्ति के बदले दूसरे व्यक्ति को छोड़ दिया जाए। अनिल विज ने कहा कि यह काफी गंभीर मामला है और जांच का आदेश दिया है। उन्होंने इस संबंध में जेल प्रशासन से भी बात की थी। जेल प्रशासन का कहना है कि गलती से किसी अन्य व्यक्ति को छोड़ दिया है। श्री विज ने कहा कि यह काफी बड़ा मामला है।

प्लॉट दिलाने के नाम पर 36 लाख की ठगी, पानीपत एसपी से रिपोर्ट तलब

उधर, अनिल विज ने पानीपत में प्लॉट खरीदने के नाम पर 36 लाख रुपये की ठगी मामले में एसपी से पूर्व में दर्ज मामले में अब तक हुई कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की। परिवार ने अपनी शिकायत में बताया कि प्लॉट खरीदने के लिए 36 लाख रुपये की राशि उन्होंने बिल्डर को दी थी। मगर न तो राशि वापस दी गई और न ही प्लॉट दिया गया। केस दर्ज होने के बावजूद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पाकिस्तान की प्लेइंग-11 का एलान

आमिर जमाल और खुर्रम शहजाद करेंगे डेब्यू

आवाज प्लस डेस्क

पर्थ। पहले टेस्ट के लिए टीम का एलान करते हुए पाकिस्तान क्रिकेट ने लिखा- आमिर जमाल और खुर्रम शहजाद टेस्ट डेब्यू करते दिखेंगे। पाकिस्तान का एक दिन पहले ही प्लेइंग-11 का एलान करना रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच गुरुवार से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट के लिए पाकिस्तान ने प्लेइंग-11 का एलान कर दिया है। शान मसूद के नेतृत्व में पाकिस्तान की टीम पहली बार टेस्ट खेलने उतरेगी। हाल ही में बाबर आजम ने तीनों प्रारूप की कप्तानी से इस्तीफा दिया था। इसके बाद मसूद टेस्ट कप्तान नियुक्त किए गए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में दो पाकिस्तानी खिलाड़ी डेब्यू करते दिखेंगे। पहले टेस्ट के लिए टीम का एलान करते हुए पाकिस्तान क्रिकेट ने लिखा- आमिर जमाल और खुर्रम शहजाद टेस्ट डेब्यू करते दिखेंगे। पाकिस्तान का एक दिन पहले ही प्लेइंग-11 का एलान करना रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने भी प्लेइंग-11 की घोषणा की थी। टीम की कमान पैट कमिंस संभाल रहे हैं। वहीं, प्लेइंग-11 में भी दो-दो उपकप्तान बनाए गए हैं। स्टीव स्मिथ के साथ ट्रेविस हेड को भी उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

आमिर जमाल और खुर्रम शहजाद दोनों ही तेज गेंदबाज हैं और घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते आ रहे हैं। पाकिस्तान की प्लेइंग-11 के मुताबिक, इमाम उल हक और अब्दुल्ला शफीक ओपनिंग करते दिखेंगे। वहीं, तीसरे नंबर पर शान मसूद, चौथे नंबर पर बाबर आजम, पांचवें नंबर पर सऊद शकील और विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर सरफराज अहमद खेलते दिखेंगे। स्पिनर्स की भूमिका शकील के अलावा ऑलराउंडर सलमान अली आगा निभाते दिखेंगे। टीम में चार तेज गेंदबाज हैं। ऑलराउंडर फहीम अशरफ के अलावा शाहीन अफरीदी, आमिर जमाल और खुर्रम शहजाद तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के प्लेइंग-11 में वॉर्नर और ख्वाजा को ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई है। तीसरे नंबर पर मार्नस लाबुशेन, चौथे नंबर पर स्टीव स्मिथ बल्लेबाजी करते दिखेंगे। पांचवें नंबर पर ट्रेविस हेड खेलते दिखेंगे। मिलेच मार्श, एलेक्स कैरी भी प्लेइंग-11 में हैं। मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और हेजलवुड तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे। नाथन लियोन बतौर स्पेशलिस्ट स्पिनर्स खेलते दिखेंगे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ऑस्ट्रेलिया- डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

पाकिस्तान- इमाम उल हक, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, साउद शकील, सरफराज खान, सलमान अली आगा, फहीम अशरफ, शाहीन शाह अफरीदी, आमिर जमाल, खुर्रम शहजाद।

रिंकू सिंह ने आईसीसी रैंकिंग में लगाई लंबी छलांग

आवाज प्लस डेस्क

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में शानदार अर्धशतक लगाने वाले रिंकू सिंह के सितारे बुलंदी पर हैं। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक मंगलवार (12 दिसंबर) को लगाया। अगले ही दिन आईसीसी टी20 रैंकिंग में उन्हें बड़ा फायदा हुआ। रिंकू को 46 पायदान का फायदा हुआ और वह अब 59वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रिंकू का रेटिंग अंक 464 है। उन्होंने इस मामले में भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा, ओपनर शुभमन गिल और बांग्लादेश के आफिफ हुसैन की बराबरी कर ली। तीनों ही खिलाड़ियों के रिंकू के बराबर रेटिंग अंक हैं। रिंकू ने तीन टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 39 गेंद पर 68 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाए। रिंकू का स्ट्राइक रेट 174.35 का रहा। उन्होंने इसी साल अगस्त में भारत के लिए डेब्यू किया था और अब निचले क्रम पर अपना दावा मजबूत कर चुके हैं। इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने 36 गेंद पर 56 रन की पारी खेली। वह टी20 रैंकिंग में पहले से ही शीर्ष पर बरकरार हैं। अब उन्होंने अपनी स्थिति और मजबूत की है। अर्धशतक लगाने के बाद उन्हें 10 रेटिंग अंक का फायदा हुआ है। अब उनके खाते में 865 रेटिंग अंक हो गए हैं।

उस्मान ख्वाजा ने जूते पर फलस्तीन से जुड़ा कुछ ऐसा लिखा, जिससे डरा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

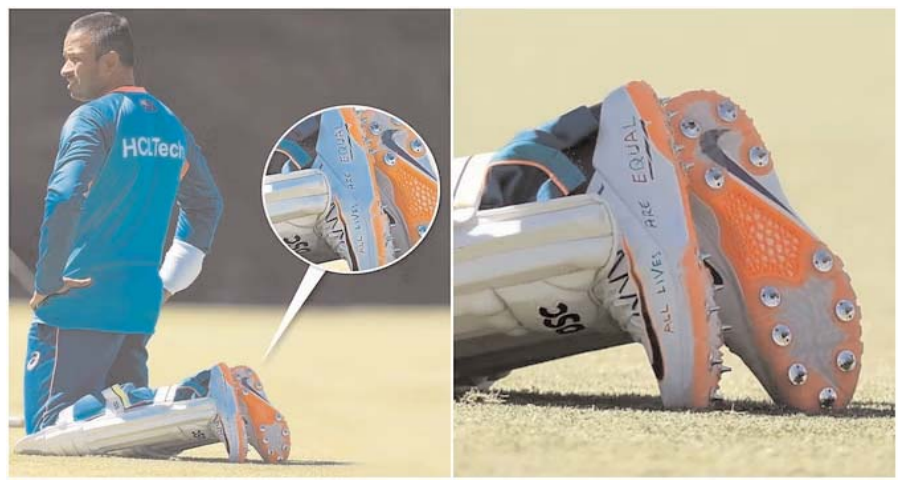

आवाज प्लस डेस्क

पर्थ। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान कुछ ऐसे जूते पहने, जिसने बवाल खड़ा कर दिया है। दरअसल, ख्वाजा के जूतों पर कुछ नारे लिखे थे, जिससे सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। ख्वाजा के जूतों पर लिखा था, स्वतंत्रता एक मानवाधिकार है और सभी का जीवन समान है। कहा जा रहा है कि ख्वाजा का प्लान पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में इन्हीं जूतों और जूते पर लिखे संदेश के साथ खेलने की थी। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें सख्त चेतावनी दी है और आईसीसी के नियमों की याद दिलाई है।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस मामले में आईसीसी नियमों का हवाला दिया जिसके बाद ख्वाजा को अपना प्लान रद्द करना पड़ा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा- हम अपने खिलाड़ियों के निजी राय व्यक्त करने के अधिकार का समर्थन करते हैं, लेकिन आईसीसी के कुछ ऐसे नियम हैं जो व्यक्तिगत संदेशों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाते हैं, जिसे हम खिलाड़ियों से बनाए रखने की उम्मीद करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस से भी इस विषय के बारे में पूछा गया था। तब उन्होंने खुलासा किया कि ख्वाजा ने पर्थ टेस्ट के पहले दिन उन जूतों को पहनने के विचार को खारिज कर दिया है।

कप्तान कमिंस ने क्या कहा?

कमिंस ने कहा, %उनके जूतों पर कुछ शब्द थे। मुझे लगता है कि यह हमारी टीम के सबसे मजबूत बिंदुओं में से एक है कि हर किसी के अपने व्यक्तिगत विचार होते हैं। मैंने आज इस बारे में ख्वाजा से पूरी बातचीत की। मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा बहुत बड़ा हंगामा करने का था, लेकिन हम उनका समर्थन करते हैं। ख्वाजा ने कहा कि वह इसे नहीं पहनेंगे। कमिंस ने कहा कि ऐसा लगता है कि ख्वाजा की योजना में बदलाव उन्हें आईसीसी के नियमों के बारे में सूचित किए जाने के बाद आया है। उन्होंने कहा, %मुझे लगता है कि आईसीसी के नियमों ने उनका ध्यान खींचा। जो मुझे नहीं पता कि वह पहले से उनके पास था या नहीं। मुझे लगता है कि यह संदेश कि %सभी जीवन समान हैं% में कोई बहुत बड़ी समस्या है। मुझे नहीं लगता कि किसी को भी इस बारे में बहुत अधिक शिकायत हो सकती है। सभी जीवन समान हैं। मैं भी इसका समर्थन करता हूं।

इस विषय पर ICC के नियम क्या हैं?

आईसीसी के नियमों के अनुसार, कोई भी कपड़ा या उपकरण जो युद्ध या उससे संबंधित विषयों से जुड़ा हुआ है और शांति के नियमों का पालन नहीं करता है, उसे सख्ती से प्रतिबंधित किया जाएगा। विशेष रूप से क्रिकेट की जर्सी या क्रिकेट उपकरणों पर राष्ट्रीय लोगो, कमर्शियल लोगो, इवेंट लोगो, निर्माता का लोगो, खिलाड़ी के बल्ले का लोगो, चैरिटी लोगो या नॉन कमर्शियल लोगो के अलावा किसी भी लोगो को प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, अगर किसी मैच अधिकारी को ऐसे कपड़ों या उपकरणों के बारे में पता चलता है जो इन नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो वह दोषी व्यक्ति को खेल के मैदान में जाने से रोक देगा। जब तक वह खिलाड़ी प्रतिबंधित कपड़ों या उपकरणों को हटा नहीं देता है या उचित रूप से कवर नहीं करता है, उसे मैदान पर नहीं जाने दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 14 दिसंबर से होने जा रही है।

लहसुन का पेस्ट दूर कर सकता है त्वचा की कई समस्याएं

लहसुन केवल खाने में ही इस्तेमाल नहीं होता, इसके पेस्ट से त्वचा की कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। लहसुन में एंटी इन्फ्लैमेटरीम, एंटीएजिंग सहीत कई अन्य गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा की सेहत को सही रखकर, आपकी सुंदरता बढ़ाने में फायदेमंद होते है। लहसुन का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से कई त्वचा संबंधी समस्या का हल हो सकता है। आइए, जानते हैं लहसुन से निखरी त्वचा पाने के तरीके-

● लहसुन के रस को मुंहासों पर लगाएं और पांच मिनट तक छोड़ दे। इसके बाद अपने चेहरे को धो लिजीए। ऐसा नियमित करने से चेहरे के दाग-धब्बे हटाने लगते है।

● लहसुन की एक कली को पीसकर, आधे टमाटर के साथ मिलाइए और इसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 10 मिनट तक लगाकर रखे फिर चेहरा धो ले। इससे आपके स्किन के रोम छिद्र खुलते हैं और त्वचा साफ होती है।

● लहसुन के रस और जैतून के तेल को मिलाकर हल्का गर्म करें। अब इस तेल को स्ट्रेच मार्क पर लगाएं। ऐसा नियमित करने से कुछ दिनों में आप देखेंगे कि आपके स्ट्रेच मार्क कम होते जाएंगे।

● जिन लोगों की त्वचा पर लाल-लाल धब्बे हैं, यदि वे भी लहसुन का पेस्ट अपने निशानों पर लगाएंगे तो उन्हें इन धब्बों से छुटकारा मिल सकता है।

● यदि आपके चेहरे व गर्दन पर झुर्रियां आ रही हैं, तो आप लहसुन को शहद और नींबू के साथ मिलाकर सेवन करें। ऐसा करने से

मोटापा कम करना है, तो रोज सुबह कीजिए केले और गर्म पानी का उपयोग

मॉर्निंग बनाना, यानि सुबह के नाश्ते में केले और गर्म पानी को शामिल कर आप इसके बेहतरीन फायदे पा सकते हैं। केले के साथ बस एक कप गर्म पानी का प्रयोग न केवल आपके मोटापे को घटाएगा बल्कि आपको सही आकार देने में बेहद मददगार भी साबित होगा। यकीन मानिए स्टार्च और हेल्दी कार्बोहाइड्रेट के भरपूर यह डाइट दिनभर में आपके शरीर पर चढ़ने वाले मोटापे को कम करने में आपकी सहायक होगी। सुबह के नाश्ते में केले के साथ गर्म पानी का सेवन देर तक आपका पेट भरा रखने में मदद करेगा, और उर्जा का स्तर भी बनाए रखेगा। मॉर्निंग बनाना पर अब तक किए गए कई अध्ययनों में इसके बेहतरीन फायदों को बताया गया। जब आप इसका सेवन शुरू करते हैं तो सुबह के समय केला और गर्म पानी का यह नाश्ता सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित होता है। केला न केवल आपके मेटबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि आपके पाचन तंत्र को बेहतर कर पाचनक्रिया को सुधारने में भी सहायक है। इसके अलावा यह एक प्रकार के स्टार्च से भरपूर होता है, जिसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स की मात्रा बेहद कम होती है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर आपको कब्ज की समस्या से निजात दिलाने में कारगर साबित होता है और आपको संतुष्टि देने के साथ ही कार्बोहाइड्रेट के अतिरिक्त अवशोषण को रोकने में मदद करता है। गर्म पानी के साथ केले का प्रयोग न केवल आपको भरपूर ऊर्जा देगा बल्कि शरीर को हाइड्रेट कर ऑक्सीजन का स्तर भी बढ़ाएगा। इसके बाद आप काफी तरोताजा महसूस करेंगे, वह अलग। ना तो इसमें आपको अतिरिक्त शुगर लेनी होगी और ना ही अतिरिक्त कैलोरी, लेकिन आप पा सकते हैं भरपूर ऊर्जा और सेहत भी।

सेहत से भरपूर है हरी पत्तेदार मूली

ठंड शुरू हो चुकी है और बाजार में सफेद हरे रंग की मूली के ढेर भी दिखाई देने लगे हैं। सलाद हो या फिर सब्जी, मूली का प्रयोग ठंड के दिनों में हर घर में किया जाता है। इस बार ठंड में आप भी मूली का भरपूर सेवन कीजिए, क्योंकि यह सेहत और सौंदर्य दोनों के लिए गुणकारी है।

❑ आपके सलाद में शामिल मूली प्रोटीन, विटामिन-ए, विटामिन-बी, सी, आयरन, आयोडीन, कैल्शियम, गंधक, सोडियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, क्लोरीन से भरपूर है और यह सभी पोषक तत्व मिलकर आपकी सेहत को बेहतर बनाते हैं साथ ही बीमारियों से बचाते हैं।

❑ मूली आपकी भूख को बढ़ाती है और आपके पाचन तंत्र को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। गैस की परेशानी में खाली पेट मूली के टुकड़ों का सेवन फायदेमंद होता है।

❑ मोटापे के मरीजों के लिए मूली लाभकारी है। इसके लिए मूली के रस में नींबू और सेंधा नमक मिलाकर पिएं। इसके सेवन से धीरे-धीरे मोटापा कम होने लगता है। दमा के मरीजों के लिए भी मूली के रस का काढ़ा पीना बहुत फायदेमंद होता है।

❑ गुर्दे संबंधी परेशानियों के लिए मूली का रस और मूली दोनों ही रामबाण उपाय है। मूली के रस में सेंधा नमक मिलाकर नियमित रूप से पीने पर गुर्दे साथ होते हैं और गुर्दे की पथरी भी समाप्त हो जाती है।

❑ मूत्ररोग या इससे संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या में मूली का रस फायदेमंद होता है। यह मूत्र मार्ग के हानिकारक तत्वों को खत्म कर संक्रमण फैलने से बचाता है और जलन, सूजन व अन्य समस्याएं समाप्त करता है।

❑ दांतों की समस्या या पीलापन खत्म करना हो तो मूली के छोटे-छोटे टुकड़ों में नींबू का रस डालकर दांतों पर रगड़ें या कुछ देर तक चबाते रहें और थूक दें। इस तरह से दांतों का पीलापन कम होगा। मूली के रस का कुल्ला करने पर भी दांत मजबूत होंगे।

❑ प्रतिदिन खाने के साथ मूली का प्रयोग करने से लिवर और किडनी स्वस्थ रहते हैं और मजबूत होते हैं। कब्ज या बवासीर की परेशानी में भी मूली बेहद कारगर उपाय है। पेट संबंधी हर समस्या का हल मूली के पास है।

❑ अगर आपको नींद नहीं आती, तो मूली खाना आपके लिए बेहद जरूरी है। यह न केवल नींद न आने की समस्या से छुटकारा दिलाएगी बल्कि नींद लेने के लिए प्रेरित करेगी।

❑ शारीरिक थकान या दर्द होने पर मूली खाना या इसका रस पीना फायदेमंद है। अगर गले में दर्द या सूजन हो तो मूली के रस में सेंधा नमक मिलाकर गरम करें और इस गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे गले की सिकाई होगी और सूजन दूर होगी।

❑ त्वचा को बेदाग, नर्म और मुलायम बनाने के लिए मूली के पत्तों का रस त्वचा पर लगाएं। इसके अलावा इसका पेस्ट बनाकर भी लगा सकते हैं। यह रूखी और खुश्क त्वचा से निजात दिलाएगा और त्वचा को बेदाग बनाएगा।

❑ लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो मूली के पत्ते आपकी मदद कर सकते हैं। मूली के मुलायम पत्तों का चबाकर चूसने से हिचकी आना तुरंत बंद हो जाएगा। इतना ही नहीं मुह की दुर्गंध से भी छुटकारा मिलेगा।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
आवाज प्लस
समाज में प्रभावी आगाज़
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक संजीव श्रीवास्तव द्वारा एफ एफ 01, बसंत बिहार कॉलोनी, दुबग्गा, लखनऊ- 226003 (उ0प्र0) भारत से मुद्रित व अमर उजाला पब्लिकेशन लिमिटेड, बी 5, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक - संजीव श्रीवास्तव

हिंदी दैनिक आवाज प्लस में प्रकाशित किसी भी प्रकाशित सामग्री से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं। आवाज प्लस से संबंधित किसी भी प्रकार का विवादों का न्यायिक क्षेत्र सिर्फ लखनऊ न्यायालय की मान्य होगा।

प्रबन्ध कार्यकारिणी
सम्पादकीय प्रभारी - अमित त्यागी
प्रशासनिक प्रभारी - अभिषेक सिंह
कार्यकारिणी सम्पादक - सुदीप द्विवेदी
सह सम्पादक - अल्तमश खान
प्रबन्ध निदेशक - नितेश सिंह राठौर
विधि सलाहाकार - रोशन खत्री

प्रशासनिक कार्यालय
आवाज प्लस मीडिया हाउस
256 बी, एलडीए कॉलोनी कॉलोनी, लखनऊ 226012 उत्तर प्रदेश (भारत)
संपर्क नंबर -8009927772